जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 14 संख्याः 147 प्रभात चूरू, शनिवार 24 सितम्बर, 2022 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

कीटनाशक युक्त फूल पर बैठने के बाद मधुमक्खियां इतनी ज्यादा प्रभावित हो जाती हैं कि वे सीधी लाइन में उड़ भी नहीं पातीं । शोधकर्ताओं ने पाया कि कीटनाशक मधुमक्खियों के नर्वस सिस्टम को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं। नए शोध में वैज्ञानिकों ने सल्फॉक्साफ्लोर और इमिडक्लोप्रिड, जैसे कीटनाशकों के मधुमक्खियों पर प्रभाव का अध्ययन किया। युनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफर्ड में वैज्ञानिक, मुख्य शोध लेखक रेचल पार्किन्सन ने कहा कि, ''मेरे पूर्व शोध में सामने आया था कि कीटनाशकों के संपर्क में आए टिड्डे रास्ते में आने वाली वस्तुओं से टकराने से बचने के लिए ना तो जंप करते हैं ना ही अपना रास्ता बदलते हैं। क्योंकि कीटनाशकों की वजह से उनकी देखने की क्षमता प्रभावित हो जाती है। मैं यह देखना चाहती थी कि क्या मधुमक्खियों पर भी ऐसा कोई प्रभाव पड़ता है? क्योंकि उड़ान को स्थिर करने व दिशाज्ञान के लिए मधुमक्खियाँ भी किसी वस्तु की चाल व गति को देख पाने की अपनी क्षमता पर निर्भर होती हैं, जो कि कीटनाशकों से प्रभावित हो जाती हैं। मेरा मत था कि, कीटनाशक से ''कॉलोनी कोलैप्स डिस्आर्डर'' हो सकता है। जिसके कारण कीटनाशकों के संपर्क में आई मधुमक्खियों को अपने घर वापस जाने में बहुत मुश्किल होती है। यह विकार सबसे पहले वर्ष 2000 की शुरुआत में देखा गया था जब मधुमक्खियों की आबादी में भारी कमी आई थी। कुछ मधुमक्खी पालकों ने कहा कि, उनके यहाँ मधुमक्खियों की संख्या 30-90 प्रतिशत कम हुई। रानी मक्खी और अवयस्क मधुमक्खियां तो रह गईं पर श्रमिक मधुमक्खियां लुप्त हो गई थीं और श्रमिकों के अभाव में कॉलोनियां नष्ट हो गईं। एक स्वस्थ मधुमक्खी में ''ऑप्टोमीटर रैस्पॉन्स'' क्षमता होती है, जो उसे सीधे रास्ते पर लौटने में मदद करती है। इस शोध के लिए वैज्ञानिकों ने प्रयोगशाला में मधुमक्खियों को 5 दिनों तक, सुक्रोज़ में मिलाकर कई प्रकार के कीटनाशकों से एक्सपोज़ किया। उन्होंने पाया कि जिन मधुमक्खियों को कीटनाशकों से एक्सपोज़ किया गया था वे सीधी दिशा में आगे नहीं बढ़ सकीं। ये नतीजे फंट्रियर्स इन इन्सैक्ट साईन्स में छपे हैं।

गहलोत तब तक मु.मंत्री बने रहना चाहते हैं, जब तक वे कांग्रेस अध्यक्ष निर्वाचित नहीं होते

दूसरी ओर सोनिया गांधी ने गहलोत से कहा है कि, नामांकन पर्चा भरने से पहले अपना इस्तीफा दे दें

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने तय कर लिया है कि वे राजी-खुशी से नहीं जायेंगे, बल्कि वे तब तक यहाँ रुके रहेंगे, जब तक वे बाकायदा कांग्रेस अध्यक्ष नहीं बन जाते। और अगर चुनाव हुआ, जिसकी संभावना ज्यादा दिखाई दे रही है, तो वह अगले माह में ही होगा।

सोनिया गांधी ने गहलोत से कह दिया है कि उन्हें नामांकन पत्र दाखिल करने, जो अगले सप्ताह होगा, से पहले, अपना त्याग पत्र दे देना चाहिये।

लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि गहलोत के मन में कुछ और ही है। गहलोत के निकटस्थ एक ए.आई.सी.सी. पदाधिकारी ने कहा कि नये मुख्यमंत्री के विषय में निर्णय अगले माह के अंत तक ही होगा क्योंकि कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिये चुनाव 17 अक्टूबर को है।

उन्होंने साफ-साफ कहा कि गहलोत तब तक इस्तीफा नहीं देंगे, जब तक वे पार्टी अध्यक्ष चुन नहीं लिये जाते। चूँकि कई अन्य लोग भी चुनाव लड़ रहे हैं, इसलिये जानकार लोगों का कहना है कि ऐनवक्त पर कुछ भी संभावित हो सकता है। विशेष रूप से राजनीति में तो ऐसा होता ही है। सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी के इशारे पर दिग्विजय सिंह भी बोले ही थे, जब उन्होंने कहा था कि कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिये नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले, गहलोत को इस्तीफा देना होगा। कांग्रेस नेतृत्व यह समझता है कि कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद, अशोक गहलोत सचिन पायलट के खिलाफ अध्यक्षीय विशेषाधिकार का प्रयोग कर सकते हैं। और इसलिये कांग्रेस नेतृत्व अशोक गहलोत की ओर से किसी प्रकार की खीज का जोखिम उठाना नहीं चाहता।

अशोक गहलोत एक ऐसे व्यक्ति हैं, जो सोनिया गांधी को अपनी अंगुली पर नचाते रहे हैं, लेकिन इस बार उनका मुकाबला राहुल और प्रियंका गांधी से है, जिन्होंने यह निश्चय कर लिया है कि अगर कांग्रेस पार्टी को अगले विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करना है तथा सत्ता में वापस आने की अपनी उम्मीद को जीवित रखना है, तो गहलोत को राजस्थान छोड़ना ही होगा।

सत्ता में वापस आने के लिये

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- जैसा की विदित ही है, अध्यक्ष पद का चुनाव 17 अक्टूबर को होगा तथा नामांकन पर्चा दाखिल करने की अंतिम तारीख तीस सितम्बर है।
- अतः सवाल यह है कि, गहलोत अपना इस्तीफा इस महीने अंत तक, तीस सितम्बर तक दे देंगे या अगले महीने अध्यक्ष पद का चुनाव हो जाने के बाद, 17 अक्टूबर के बाद देंगे।
- अब तक गहलोत, सोनिया गांधी को किसी न किसी तरह मनाकर अपने मन माफिक निर्णय करा लेते थे, पर इस बार यह संभव होता नहीं दिख रहा है, क्योंकि इस बार राहुल गांधी व प्रियंका गांधी इस बारे में दृढ़ संकल्प हैं कि, गहलोत के मु.मंत्री रहते हुए, अगर राजस्थान में विधानसभा चुनाव हुए तो, कांग्रेस की सत्ता में आने की कोई आशा भी नहीं रहेगी, अतः किसी युवा नेतृत्व की कप्तानी में विधानसभा चुनाव लड़ना पार्टी के हित में है।

प्रणय सुप्रीम कोर्ट की शरण में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। नई दिल्ली लिमिटेड (एन.डी. टी.वी.) के प्रमोटर प्रणव रॉय तथा उनकी पत्नी राधिका रॉय, और उनकी इन्वैस्टमैंट फर्म आर.आर.आर. होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड ने उन पर लगाये गये 5 करोड़ रू. जुर्माने के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय का दरवाज़ा खटखटाया है। उन पर यह जुर्माना उनके द्वारा ऋण-इकरारनामों के छुपाये जाने के कारण सिक्योरिटीज एपैलेट ट्रिब्यूनल (एस.ए.टी.) द्वारा लगाया गया है।

- एन.डी.टी.वी. के प्रमोटर प्रणय रॉय एवं उनकी पत्नी ने सिक्युरिटीज़ अपैलैट ट्रिब्युनल द्वारा लगाए गए 5 करोड़ रू. के जुर्माने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की है।

एन.डी. टी.वी. द्वारा की गई रैग्यूलेटरी फाइलिंग के अन्तर्गत, उन्होंने

(शेष पृष्ठ 5 पर)

उद्धव ठाकरे की बॉम्बे हाई कोर्ट में भारी जीत!

न्यायालय ने ठाकरे की पार्टी को शिवाजी पार्क में दशहरा के अवसर पर रैली आयोजित करने की अनुमति दी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के लिए यह एक बड़ी जीत है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना को मध्य मुम्बई स्थित प्रतिष्ठित शिवाजी पार्क में 5 अक्टूबर को वार्षिक दशहरा रैली आयोजित करने की आज मंजूरी दे दी।

जस्टिस आर.डी. धानुका और जस्टिस कमल खांटा ने ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट और उसके सचिव अनिल देसाई द्वारा दायर याचिका पर यह अनुमति दी। याचिका में मुम्बई पालिका के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें रैली आयोजित करने की मंजूरी नहीं दी गई थी। ब्रहन्मुम्बई म्युनिसिपल कॉरपोरेशन (बी.एम.सी.) ने 21 सितम्बर को कहा था कि वह मंजूरी देने से इन्कार कर रहा है क्योंकि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना के प्रतिद्वंद्वी गुट के विधायक सदा सरवंकर ने ऐसा ही एक आवेदन प्रस्तुत किया है, और यदि एक गुट को मंजूरी दी जाती है तो इससे कानून-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो जाएगी, जैसी कि स्थानीय पुलिस ने आशंका जतायी है।

हाईकोर्ट द्वारा उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना को मुम्बई के शिवाजी पार्क में दशहरा रैली आयोजित करने की अनुमति प्रदान किए जाने से

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- शिवाजी पार्क का शिव सेना के लिये भारी महत्व है। सन् 1966 में शिव सेना के गठन के बाद बाल ठाकरे ने अपनी पहली बड़ी रैली शिवाजी पार्क में आयोजित की थी तथा 1995 में शिव सेना के प्रथम मु.मंत्री मनोहर जोशी ने अपना शपथ ग्रहण समारोह शिवाजी पार्क में ही आयोजित किया था तथा नवम्बर 2012 में मृत्यु उपरांत बाल ठाकरे का दाह संस्कार यहीं हुआ था।
- शिव सेना के विभाजन के बाद, उद्धव ठाकरे व शिंदे के खेमे, शिवाजी पार्क में दशहरा रैली को आयोजित करने का मामला हाई कोर्ट तक ले गये थे।
- अब शिव सेना के उद्धव ठाकरे के खेमे को रैली के आयोजन की अनुमति मिलने से ठाकरे खेमा अति आल्हादित है।

गहलोत का गेम प्लान

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का एक नया गेम प्लान है। कांग्रेस अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने के बाद एक पार्टी हाईकमान के रुप में वह यह तय करना चाहते हैं कि राजस्थान में उनके बाद मुख्यमंत्री पद का उत्तराधिकारी कौन होगा। उन्होंने शुक्रवार को इसके संकेत दिए कि पार्टी अध्यक्ष चुनाव

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- पार्टी अध्यक्ष बनने तक राजस्थान के मु.मंत्री पद पर काबिज रहना और अध्यक्ष बनने के बाद अपनी मर्जी का मु.मंत्री बनाना चाहते हैं गहलोत, ताकि सचिन पायलट को सी.एम. बनने से रोका जाये।

वो दिन गये जब राजनीतिज्ञ कुछ भी कह सकते थे

सोशल मीडिया आदि से हर नेता का पब्लिक उद्घोष रिकॉर्ड हो रहा है तथा कुछ भी कह कर बच निकलना असंभव हो गया है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। पुराने जमाने के राजनेता, टैक्नॉलजी तथा सोशल मीडिया की गैर मौजूदगी में, कुछ भी कहकर बच निकलते थे लेकिन अब, उनके शब्द की मॉनिटरिंग तथा विश्लेषण होता है। इसके उदाहरण स्वरूप कांग्रेस नेता राहुल गांधी की उस भूल को लिया जा सकता है, जब उन्होंने आटे को लीटर में नापने की बात कह दी थी तथा वे बुरी तरह ट्रोल हुये थे।

लेकिन कांग्रेस भी पीछे नहीं है उसने भी कई बार भाजपा दिग्गजों जिनमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल हैं, की कमियों को पकड़ा और जवाबी हमला किया है। इस समय यह बिल्कुल स्पष्ट है कि प्रौद्योगिकी तथा सोशल मीडिया के युग में, सार्वजनिक जीवन से संबंधित लोगों को अपनी कथनी, करनी एवं आचरण-व्यवहार में बहुत सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि उनकी प्रत्येक गतिविधि आने वाली सन्ततियों के लिये रिकॉर्ड की जाती है तथा तत्काल संदर्भ एवं उनके विरोधियों द्वारा उपयोग एवं दुरुपयोग के लिये उपलब्ध रहती है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- राहुल गांधी ने आटे को लीटर में नापा तो सोशल मीडिया ने उन्हें नहीं बख्शा, बहुत देर तक वे ''ट्रोल'' हुए।
- इसी प्रकार, जब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने मदुरै में उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए कहा, मदुरै में एम्स की बिल्डिंग बनाने का 95 प्रतिशत काम पूरा हो गया है तो, मदुरै के कांग्रेस सांसद व पड़ोसी लोकसभा सीट के मार्क्सवादी पार्टी के सांसद, उस स्थान पर पहुंचे, जहां एम्स की बिल्डिंग 95 प्रतिशत पूरी होने का दावा किया था।
- दोनों सांसदों ने पाया जहां बिल्डिंग बननी थी, वहां एक ईंट भी नहीं रखी गयी है।
- सोशल मीडिया पर भारी शोर मचा कि, एम्स की बिल्डिंग ''चोरी'' हो गयी और यह तूफान भाजपा अध्यक्ष पर व्यंग्य करते हुए कई दिनों तक चला।

नविका कुमार

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा द्वारा पैगम्बर मोहम्मद पर की गई विवादास्पद टिप्पणियों को टाइम्स नाउ टी.वी. चैनल के प्राइम टाइम शो ''द न्यूज आवर'' पर एयर करने को लेकर चैनल की ग्रुप एडिटर नविका कुमार (44) के खिलाफ दर्ज सभी एफ.आई.आर. को एक साथ मिलाकर शुक्रवार को दिल्ली पुलिस को हस्तांतरित कर दिया।

- सुप्रीम कोर्ट ने पैगम्बर मोहम्मद के खिलाफ टिप्पणी के विवाद में टाइम्स नाओ की नविका कुमार के खिलाफ दर्ज सभी एफ. आई. आर. क्लब करके दिल्ली पुलिस के सुपुर्द कर दी हैं।

जस्टिस एम.आर. शाह और

(शेष पृष्ठ 5 पर)

सचिन पायलट एयरपोर्ट से सीधे विधानसभा पहुंचकर विधायकों से मिले, फिर पायलट से घर मिलने पहुंचे विधायक

इधर राजेन्द्र गुढ़ा बोले, आलाकमान सचिन पायलट का नाम तय करेगा और जयपुर का खुशनुमा मौसम भी यही इशारा कर रहा है। इसके बाद पायलट से घर जाकर मिले गुढ़ा

जयपुर, 23 सितम्बर (का.प्र.)। राजस्थान के बदलते सियासी घटनाक्रमों के बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कोच्चि से घोषणा की है कि वे कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करेंगे, क्योंकि राहुल गांधी ने स्पष्ट कह दिया है कि गांधी परिवार का कोई भी सदस्य कांग्रेस अध्यक्ष नहीं बनेगा। दूसरी ओर बदलते घटनाक्रम के बीच सचिन पायलट जयपुर पहुंचे और सीधे विधानसभा गए, जहां बदले नजारे में उनके स्वागत में हमेशा साथ रहने वाले विधायकों के अलावा गिर्राज सिंह मलिंगा, खुशवीर सिंह जोजावर भी खड़े थे। हां पक्ष लॉबी में उनके साथ वे विधायक भी मौजूद थे, जो अशोक गहलोत की बेहद नजदीकी माने जाते हैं।

सचिन पायलट ने जयपुर पहुंचने के बाद ना सिर्फ विधानसभा पहुंचकर विधायकों के साथ में मुलाकात की। ऐसे संकेतों के बाद स्पष्ट हो गया कि कांग्रेस आलाकमान ने बहुत स्पष्ट रूप से विधायकों को संकेत दे दिया है कि वे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के उत्तराधिकारी के रूप में किसे देखना चाहते हैं। यही कारण रहा कि बसपा से कांग्रेस में आने वाले तथा पंचायत राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने कहा कि हमें लगता है कि आलाकमान सचिन पायलट के नाम को हरी झंडी देगा और हम तथा निर्दलीय विधायक सचिन पायलट के साथ रहेंगे। इसी के साथ उन्होंने कहा कि आज जयपुर का खुशनुमा मौसम भी इसी बात की ओर इशारा कर रहा है।

इधर सचिन पायलट ने जयपुर में विधानसभा पहुंचकर विधायकों के साथ में चर्चा करने के साथ ही विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी के चेंबर में जाकर उनसे भी चर्चा की। ऐसे में माना जा रहा है कि आलाकमान की ओर से सचिन पायलट से कहा गया है कि वे कांग्रेस,निर्दलीय तथा अन्य पार्टियों के विधायकों से मुलाकात करके उनसे आगे की रणनीति को लेकर चर्चा करें। इसीलिए सचिन पायलट अचानक दिल्ली से जयपुर पहुंचने का कार्यक्रम बनाया और इसी कार्यक्रम के मुताबिक उन्होंने विधायकों से मुलाकात की है।

इस बीच माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करने से पहले मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे और संभावना जताई जा रही है कि उनका नामांकन 28 सितंबर को होगा। ऐसे में उसी दिन कांग्रेस आलाकमान विधायक दल की बैठक बुलाकर मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला लेगा। परंपरा के अनुसार विधायक एक लाइन का प्रस्ताव आलाकमान के पास भेजेंगे और उसके बाद आलाकमान निर्देशित करेगा की मुख्यमंत्री की शपथ कब होनी है। यही कारण है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी आज के अपने बयानों में कहा है कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा, इस बारे में आलाकमान और राजस्थान के प्रभारी अजय माकन तय करेंगे।

यह बात भी बताती है कि आलाकमान की ओर से सभी को स्पष्ट रूप से संकेत दिए जा

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- विधानसभा में गहलोत के साथ दिखने वाले विधायक भी सचिन पायलट का स्वागत करने पश्चिमी द्वार पर पहुंचे।
- यह बात भी यही बताती है कि, आलाकमान की ओर से सभी को स्पष्ट रूप से संकेत दिए जा चुके हैं कि, आने वाले दिनों में राजस्थान की कमान किसके हाथ में होगी। सभी विधायकों के राजनीतिक स्वर बदलने लगे हैं, जिनमें अशोक गहलोत के कट्टर समर्थक बाबूलाल नागर भी शामिल हैं, जिन्होंने शुक्रवार को स्पष्ट रूप से कहा कि, वह तो खुद राजेश पायलट के कट्टर समर्थक रहे हैं।
- जब भारत जोड़ो यात्रा में एक दिन के विश्राम के लिए राहुल गांधी का दिल्ली आने का कार्यक्रम निरस्त हो गया तो, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी दिल्ली जाने के बजाए शिर्डी में साई बाबा के दर्शन करने के बाद सीधे जयपुर लौट आए। यहां आकर गहलोत ने अपने मंत्रिमंडल के कई सदस्यों को मुलाकात के लिये अपने निवास पर बुलाया।

विचार बिन्दु

डूबते को तारना ही अच्छे इंसान का कर्तव्य होता है। –अज्ञात

खतरनाक है बच्चों के लिए मोबाइल फोन

इस शताब्दी का सबसे उन्नत और प्रभावी संचार उपकरण मोबाइल फोन है। मोबाइल फोन हम सभी की जिंदगी का एक अभिन्न अंग बन चुके हैं। टेक्नोलॉजी के इस दौर में बच्चों का मोबाइल से खास लगाव हो चला है। आजकल बच्चे से बुजुर्ग के हाथों में मोबाइल देखा जा सकता है। आजकल ज्यादातर बच्चे मोबाइल फोन की बुरी आदत का शिकार हो गए हैं। बच्चों को मोबाइल फोन की ऐसी लत लगी है कि वो सोते-जागते, खाते-पीते, सिर्फ फोन में लगे रहते हैं। मोबाइल के बेहताशा उपयोग का बच्चों पर दुष्प्रभाव की जानकारी हर किसी को होनी जरुरी है ताकि यह पत्ता चल सके की यह बच्चों के लिए लाभकारी है या हानिकारक।

मोबाइल बच्चों का दोस्त है या दुश्मन। बिना विलंब किए अभिभावकों को इस पर गहनता से मंथन की जरुरत है। हाल ही में प्रयागराज में मोबाइल को लेकर ऐसी घटना सामने आई जो किसी भी पेरेंट को सोचने पर मजबूर कर देगी। 9वीं कक्षा की छात्रा को जब मोबाइल पर गेम खेलते देखा तो पिता ने डांट दिया। ऐसे में बेटी ने रात होते ही अपने कमरे में जाकर फांसी लगा ली। यह ऐसा कोई पहला मामला नहीं है। देश के हर कोने से ऐसे मामले अक्सर सुर्खियों में आते रहते हैं। आजकल मोबाइल का ज्यादा इस्तेमाल बच्चों को इंटरनेट एडिक्शन की तरफ ले जा रहा है। इस तरह के एडिक्शन से मानसिक बीमारियां पैदा होती हैं और ऐसे में बच्चे कोई न कोई गलत कदम उठा लेते हैं। आजकल के बच्चे इंटरनेट लवर हो गए हैं। इनका बचपन रचनात्मक कार्यों की जगह डेटा के जंगल में गुम हो रहा है। पिछले कई सालों में सूचना तकनीक ने जिस तरह से तरक्की की है, इसने मानव जीवन पर गहरा प्रभाव डाला है बल्कि एक तरह से इसने जीवनशैली को ही बदल डाला है। बच्चे और युवा एक पल भी स्मार्टफोन से खुद को अलग रखना गंवारा नहीं समझते। इनमें हर समय एक तरह का नशा सा सवार रहता है। वैज्ञानिक भाषा में इसे इंटरनेट एडिक्शन डिस्ऑर्डर कहा गया है।

अपने बच्चों को मोबाइल और कंप्यूटर पर गेम खेलते अनेक माता-पिता बहुत खुश होते हैं। वे दूसरों को बड़े गर्व के साथ यह बताते तनिक भी नहीं हिचकते की उनका बेटा डिजिटल दुनियां के नए जमाने के साथ दौड़ रहा है। वे बड़े खुशी से बताते हैं कि वह मोबाइल पर फोटो निकाल लेता है। मैसेज भेज देता है। व्हाट्सप पर बात कर लेता है और फोटो, वीडियो शेयर कर लेता है। यहाँ तक की गूगल पर कुछ भी खोज लेता है। लेकिन शायद वह इस बात से अनजान है कि जिसे वह बच्चे की स्मार्टनेस समझ रहे हैं वह उसके विकास में बाधा भी बन सकता है। विशेषज्ञ मानते है कि इलेक्ट्रॉनिक गजेट और कंप्यूटर का अत्यधिक प्रयोग बच्चों के लिए अच्छा नहीं है। इससे उनमें संवादहीनता और चिड़चिड़ेपन की प्रवृत्ति बढ़ती है।

देश में इंटरनेट के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल में बचपन खोता जा रहा है जिसकी परवाह न सरकार को है और न ही समाज इससे चिंतित है। ऐसा लगता है जैसे गैर जरुरी मुद्दे हम पर हावी होते जारहे है और वास्तविक समस्याओं से हम अपना मुंह मोड़ रहे है। यदि यह यूँ ही चलता रहा तो हम बचपन को बर्बादी की कगार पर पहुंचा देंगे। देश के साथ यह एक बड़ी नाइंसाफी होगी जिसकी कल्पना भी हमें नहीं है।

मौजूदा दौर में बच्चों में खेलकूद का स्थान इंटरनेट ने ले लिया है। इसका सीधा प्रभाव बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास पर पड़ा है। शहरों के साथ अब गांवों में भी मोबाइल की पहुँच होने से बच्चों में इंटरनेट की लत बढ़ गई है। इससे उनमें संवादहीनता का खतरा बढ़ रहा है। बच्चे के ऐसे व्यवहार को अनदेखा करने की जगह इस पर सजग और सावधान होने की जरूरत है। मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि इससे बच्चों का स्वाभाविक विकास बुरा प्रभाव पड़ता है।

एक अभिभावक का कहना है उसका बेटा स्कूल से आते ही कंप्यूटर पर बैठ जाता है, कई आवाज लगाने पर भी हिलता तक नहीं। बाहर घूमने की जगह उनका बेटा कंप्यूटर पर व्यस्त रहता है, लेकिन अब उसके व्यवहार पर चिंता होने लगी है। वह किसी से बात करना तक पसंद नहीं करता, ज्यादा कुछ बोलों तो चिढ़ जाता है या चिल्लाकर जवाब देता है। एक दूसरा अभिभावक अपनी बेटी के व्यवहार से चिंतित है। वह कहती हैं कि अभी आठवीं कक्षा में ही है, लेकिन उसके अंदर इस उम्र के बच्चों सी चपलता और चंचलता नहीं है। काफी कम बोलती है। इंटरनेट सर्फिंग में उसका खाली समय बीतता है।

चिकित्स्कीय आंकड़ों के मुताबिक 12 से 18 महीने की उम्र के बच्चों में स्मार्टफोन के इस्तेमाल की बढ़ोतरी देखी गई है। ये स्क्रीन को आंखों के करीब ले जाते हैं और जिससे आंखों को नुकसान पहुंचता है। आंखें सीधे प्रभावित होने से बच्चों को जल्दी चश्मा लगने, आंखों में जलन और सूखापन, थकान जैसी दिक्कते हो रही हैं। स्मार्टफोन चलाने के दौरान पलकें कम झपकाते हैं। इसे कंप्यूटर विजन सिंड्रोम कहते हैं। माता-पिता ध्यान दें कि स्क्रीन का सामना आधा घंटे से अधिक न हो। कम उम्र में स्मार्टफोन की लत की वजह बच्चे सामाजिक तौर पर विकसित नहीं हो पाते हैं। बाहर खेलने न जाने की वजह से उनके व्यक्तित्व का विकास नहीं हो पाता। मनोविशेषज्ञों के पास ऐसे केस भी आते हैं कि बच्चे पसंदीदा कार्टून कैरेक्टर की तरह ही हरकतें करने लगते हैं। इस कारण उनके दिमागी विकास में बाधा पहुंचती है। बच्चे अक्सर फोन में गेम खेलते या कार्टून देखते हुए खाना खाते हैं। इसलिए वे जरूरत से अधिक या कम भोजन करते हैं। अधिक समय तक ऐसा करने से उनमें मोटापे की आशंका बढ़ जाती है।

देश में इंटरनेट के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल में बचपन खोता जा रहा है जिसकी परवाह न सरकार को है और न ही समाज इससे चिंतित है। ऐसा लगता है जैसे गैर जरुरी मुद्दे हम पर हावी होते जा रहे है और वास्तविक समस्याओं से हम अपना मुंह मोड़ रहे है। यदि यह यूँ ही चलता रहा तो हम बचपन को बर्बादी की कगार पर पहुंचा देंगे। देश के साथ यह एक बड़ी नाइंसाफी होगी जिसकी कल्पना भी हमें नहीं है। जब से इंटरनेट हमारे जीवन में आया है तबसे बच्चे से बुजुर्ग तक आभासी दुनियां में खो गए है। हम यहाँ बचपन की बात करना चाहते है। देखा जाता है पांच साल का बच्चा भी आँख खोलते ही मोबाइल पर लपकता है। पहले बड़े इसे अपने काम के लिए करते थे। अब बच्चे भी इंटरनेट के शौकीन होते जा रहे हैं। बाजार ने उनके लिए भी इंटरनेट पर इतना कुछ दे दिया है कि वह पढ़ने के अलावा बहुत कुछ इंटरनेट पर करते रहे हैं। पेरेंट्स को बच्चों की ऐसी गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए और समय रहते उनकी ऐसी आदत को पॉजेटिव तरीके से दूर करना चाहिए।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

समाजवाद के प्रणेता अहिंसावादी अग्रवंशी सम्राट महाराजा अग्रसेन

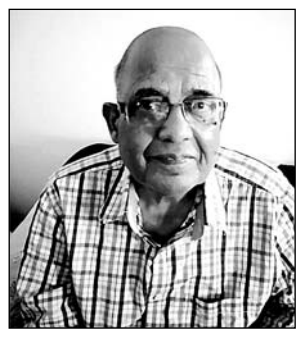

डा. जे. के. गर्ग

निर्विवाद रूप से किसी भी राष्ट्र या समाज एवं परिवार को उन्नत विकसित और कल्याणकारी बनाने के लिये उसके आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक स्तम्भों का मजबूत होना अति आवश्यक है। लगभग 5141 वर्ष पूर्व महाराजा अग्रसेनजी इन्हीं चार स्तंभों को मजबूत कर समृद्धशाली, कल्याणकारी समाजवादी एवं शक्तिशाली राज्य का निर्माण करने में सफल हुए थे। अग्रसेन एक पौराणिक कर्मयोगी लोकनायक होने के साथ -साथ अहिंसा और समाजवाद के प्रणेता दानवीर युग पुरुष थे जिनका जन्म अश्विनशुक्ल प्रतिपदा के दिन प्रताप नगर के सूर्यवंशी राजा वल्लभसेन के यहाँ हुआ था उनकी माताजी का नाम भगवती देवी था। प्रतापनगर राजस्थान एवं हरियाणा राज्य के बीच सरस्वती नदी के किनारे स्थित हुआ करता था ।

ऐसा भी कहा जाता है की महाराजा अग्रसेन भगवान श्रीराम के पुत्र कुश की 34वी पीढ़ी के थे। इस मान्यता के मुताबिक अग्रवंशी भगवान राम के वंशज होते है। कहा जाता है कि महाभारत के दसवें दिन राजा वल्लभसेन वीर गति को प्राप्त हो गये थे। पन्द्रह वर्ष की अल्प आयु मे ही अग्रसेनजी ने महाभारत के धर्मयुद्ध में पांडवो की तरफ से भाग लिया था। भगवान श्रीकृष्ण भी उनकी बुद्धिमता, शोर्य, पराक्रम, समझबूझ से अत्यंत प्रभावित हुए थे और उन्होंने भविष्यवाणी की थी कि युवा अग्रसेन भविष्य में एक पराक्रमी सम्राट एवं युग पुरुष होंगे ।

विवाह–युवा अग्रसेन ने सर्पों के राजा नागराज की बेटी राजकुमारी माधवी के स्वयंवर में अनेकों राजाओं, राजकुमारों और स्वर्ग के सम्राट इंद्रदेव के साथ भाग लिया था। स्वयंवर में राजकुमारी माधवी ने राजकुमार अग्रसेन का चयन कर उनका वरण किया। अग्रसेन माधवी के विवाह से दो विभिन्न संस्कृतियों एवं परिवारों का मिलन हुआ क्योंकि राजकुमार अग्रसेन जहाँ एक सूर्यवंशी थे वहीं राजकुमारी माधवी एक नागवंशी थी।

भगवान शिव और माता लक्ष्मी की आराधना

महाभारत के युद्ध के कारण जन धन की बहुत तबाही हुई थी इसलिए अपने राज्य की खुशहाली के वास्ते महाराजा अग्रसेन ने काशी जाकर भगवान शिव की कठोर तपस्या की जिससे खुश हो कर भगवान शिवजी ने उन्हें दर्शन दिया और उनको आदेश दिया कि वे महालक्ष्मी जी की पूजा और ध्यान करें। अग्रसेन ने महालक्ष्मी की पूजा आराधना शुरू कर दी। माँ लक्ष्मी ने उनकी परोपकार हेतु की गई तपस्या से खुश होकर उन्हें दर्शन दिए और आदेश दिया कि वे अपना एक नया राज्य बनायें और क्षत्रीय परम्परा के स्थान पर वैश्य परम्परा अपना लें। माता लक्ष्मी ने उन्हें आशीर्वाद दिया कि उनके और उनके अनुयायियों को कभी भी किसी चीज की कमी नहीं होगी । लक्ष्मी माता का आदेश मान कर अग्रसेन महाराज ने क्षत्रीय कुल को त्याग वैश्य धर्म को अपना लिया, इस प्रकार महाराजा अग्रसेन प्रथम वैश्य सम्राट बने ।

अग्रोहा शहर का जन्म

देवी महालक्ष्मी से आशीर्वाद प्राप्त करने के बाद राजा अग्रसेन ने नए राज्य की स्थापना एवं उस राज्य की राजधानी के चयन हेतु रानी माधवी के साथ भारत का भ्रमण किया, अपनी यात्रा के दौरान वे एक जगह रुके जहाँ उन्होंने देखा कि कुछ शेर और भेड़िये के बच्चे साथ खेल रहे थे। राजा अग्रसेन ने रानी माधवी से कहा के ये बहुत ही शुभ दैवीय संकेत है जो हमें इस पुण्य भूमि पर हमारे राज्य की राजधानी को स्थापित करने का इशारा कर रहा है। ऋषि मुनियों और ज्योतिषियों की सलाह पर नये राज्य का नाम अग्रेयगण रखा गया, जिसे कालान्तर में यह स्थान अग्रोहा नाम से जाना गया। अग्रोहा हरियाणा में हिसार के पास है। आज भी यह स्थान अग्रवाल समाज के लिए तीर्थ स्थान के समान है। यहां भगवान अग्रसेन, माता माधवी और कुलदेवी माँ लक्ष्मी जी के भव्य और दर्शनीय मंदिर है ।

समाजवाद के प्रेरणता

महाराजा अग्रसेन जी के राज्य में यह परंपरा थी कि जो भी व्यक्ति या परिवार उनके राज्य में आकर बसता था, अग्रोहा के सभी निवासी नवागंतुक नागरिक को सम्मान और स्वागत के रूप में एक रुपया और एक ईंट भेंट करते थे। कहा जाता है कि उस समय अग्रोहा में लगभग एक लाख से अधिक परिवार बसते थे। इस प्रकार उनके राज्य में आने वाला हर नागरिक एक लाख रुपये तथा एक लाख ईंटों का स्वामी बन जाता था। इन रुपयों से वह अपना व्यवसाय प्रारम्भ कर लेता था वहीं ईंटों से अपना खुद का मकान बना लेता था। यही परंपरा समाजवाद की ही मिसाल है ।

शासन व्यवस्था

अग्रसेन जी ने वैदिक सनातन आर्य संस्कृति की मूल मान्यताओं को लागू कर राज्य के पुनर्गठन में कृषि व्यापार उद्योग, गौ पालन के विकास के साथ-साथ नैतिक मूल्यों की पुनः प्रतिष्ठा का बीड़ा उठाया। महाराजा अग्रसेन जी पहले शासक थे जिन्होंने सहकारिता के आदर्श को सामाजिक जीवन में प्रतिस्थापित किया। उन्होंने जीवन के सुख सुविधाओं एवं भोग विलास आदि पर धन के अपव्यय के स्थान पर जीवन में सादगी, सरलता और मितव्ययिता बरतने पर जोर दिया। अग्रसेन के मतानुसार व्यक्ति को अपनी उपार्जित आय को चार भागों में बांट कर एक भाग का उपयोग परिवार के संचालन हेतु, दूसरे भाग का उपयोग उद्योग व्यवसाय या जीविका चलाने हेतु, तीसरे भाग का उपयोग सार्वजनिक कार्यों तथा चौथे भाग का उपयोग बचत कर राष्ट्र की समृद्धि में करना चाहिये।

अग्रवाल के 18 गोत्र एवं उनका नामकरण हममें से अधिकाश लोगों की मान्यता है कि अग्रवालों के 18 या साढ़े सत्तरह गोत्रो के नाम उनके 18 पुत्रों के नाम से रखे गये हैं किन्तु वास्तविकता में गोत्रों के नाम 18 यज्ञ करवाने वाले ऋषियों के नाम से हैं। महर्षि गर्ग ने भगवान अग्रसेन को 18 पुत्र के साथ 18 यज्ञ करने का संकल्प करवाया। माना जाता है कि इन 18 यज्ञों को ऋषि मुनियों ने सम्पन्न करवाया और इन्हीं ऋषि-मुनियों के नाम पर ही अग्रवंश के गोत्रों का नामकरण हुआ। प्रथम यज्ञ के पुरोहित स्वयं गर्ग ऋषि बने, उन्होंने राजकुमार विभु को दीक्षित कर उन्हें गर्ग गोत्र से मंत्रित किया। इस प्रकार अग्रवालों के 18 गोत्र हैं यथा– गर्ग, तायल, कुच्चल, गोयन, भंदेल, मंगल, मित्तल, बंसल, बिंदल, कंसल, नागल, सिंघल, गोयल, तिंगल, जिन्दल, धारण, मधुकुल, एरेन। ऋषियों द्वारा प्रदत्त अठारह गोत्रों को भगवान अग्रसेन के 18 पुत्रों के साथ भगवान द्वारा बसायी 18 बस्तियों के निवासियों ने भी धारण कर लिया एक बस्ती के साथ प्रेम भाव बनाये रखने के लिए एक सर्वसम्मत निर्णय हुआ कि अपने पुत्र और पुत्री का विवाह अपनी बस्ती में नहीं दूसरी बस्ती में करेंगे। आगे चलकर यह व्यवस्था गोत्रों में बदल गई जो आज भी प्रचलित है। राज्य के उन्हीं 18 गणों से एक-एक प्रतिनिधि लेकर उन्होंने लोकतांत्रिक राज्य की स्थापना की, जिसका स्वरूप आज भी हमें भारतीय लोकतंत्र के रूप में दिखाई पड़ता है। महाराजा अग्रसेन ने परिश्रम से खेती, व्यापार एवं उद्योगों से धनोपार्जन के साथ-साथ उसका समान वितरण और आय से कम खर्च करने पर बल दिया। जहां एक ओर अग्रसेन जी ने वैश्य जाति को न्याय पूर्ण व्यवसाय का प्रतीक तराजू प्रदान किया वहीं दूसरी ओर उन्होंने अपनी प्रजा को आत्मरक्षा के लिए शास्त्रों के उपयोग की शिक्षा भी प्रदान करवाई थी। कुलदेवी महालक्ष्मी से परामर्श पर वे आग्रेय गणराज्य का शासन अपने ज्येष्ठ पुत्र विभु के हाथों में सौंपकर तपस्या करने चले गए। वर्तमान में अग्रवंशियो की संख्या लगभग आठ करोड़ है। अग्रसेन जी के वंशज आज भी उन्हीं की विचारधारा से प्रभावित होकर जनकल्याण के हितार्थ धर्मशाला, मंदिर, अनाथालय अस्पताल पुस्तकालय, स्कूल एवं कॉलेज की स्थापना करने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं ।

सच्चाई तो यही है कि सम्राट अग्रसेनजी ने अपने आपको एक महान एवं सफल मेनेजमेंट गुरु के रूप में स्थापित किया। महाराजा अग्रसेन ओर माता माधवी ने अपने सभी 18 पुत्रों को श्रेष्ठतम संस्कार प्रदान किये थे। महाराजा अग्रसेन को समाजवाद का प्रवर्तक, अहिसां के पुजारी, सुयोग्य प्रशासक एवं आदर्श मेनेजमेंट गुरु के रूप में जाना जाता है आठ करोड़ से ज्यादा अग्रवालों के लिये उनके सिद्धांत हमेशा अनुकरणीय और प्रेरक बने रहेगें। अग्रसेनजी के 5141 वें जन्मदिवस पर कोटि कोटि प्रणाम ।

डा. जे. के. गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कालेज शिक्षा जयपुर

चुरू के राजगढ़ क्षेत्र में बरसात का दौर जारी

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ उपखण्ड क्षेत्र में लंबे समय से चल रही मानसून की बेरुखी एवं बारिश के अभाव में दम तोड़ चुकी फसलों के लिए लगातार 3 दिन से सक्रिय मानसून नुकसान दायक ही साबित होता नजर आ रहा है। जानकारी के अनुसार कटाई की गई फसलें खेतों में ही पडी हैं, जिससे खेतों में पडी फसले बर्बाद होने का अदेंशा है। हाल ही में मूंग मोठ एवं चवला की लावणी चल रही थी जिसमें शत प्रतिशत फसल खराब होने का अंदेशा है ।

■ मूंग मोठ एवं चवला की शत प्रतिशत फसल खराब होने का अंदेशा

आगामी रबी फसल की बुआई हेतु किसानों ने बारिश को बहुत उपयुक्त बताया। राजगढ उपखण्ड क्षेत्र में अधिकांश किसान चने की फसले बोते हैं, जिनके लिए अब बरसात होना राहत भरी खबर भी है। वहीं चूरू जिले के राजगढ उपखंड शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में बादल झूम-झूम कर बरस रहे है। इसी बीच गुरुवार को पूरे दिन कहीं रिमझिम एवं कहीं हल्की फुहारों के रूप में वर्षा का दौर जारी रहा तथा शुक्रवार को अलसुबह 5.3० बजे तेज वर्षा का दौर जारी हुआ जो 1 घंटे तक जारी रहा। इस दौरान कभी रिमझिम कभी तेज वर्षा होती रही।

मगर दुबारा से 8 बजे फिर वर्षा का दौर शुरू हुआ जो 9 बजे तक जारी रहा तीसरी बार पूर्वाहन 12.45 बजे वर्षा का दौर शुरू हुआ, जिससे करीबन दो घंटो तक अच्छी वर्षा हुई तथा वर्षा होने से किसानों के चेहरे खिल उठे एवं कहीं मायूसी देखने को भी मिली। इस दौरान हरियाणा निकटवर्ती बालाण,कामाण, जीराम बास, भाकरां, खैरु बडी, खैरू छोटी व बीराण आदि गाँवो में कहीं हल्की एवं कहीं मध्यम, कही अच्छी बारिश के समाचार हैं। समाचार लिखे जाने तक बारिश का दौर जारी रहा।

राजगढ़ क्षेत्र में लगातार तीन दिन से हो रही बारिश के चलते खेतों में पड़ी फसल खराब होने लगी है।

राजस्थान की शान थे फिल्म अभिनेता महिपाल

1963 में प्रदर्शित हिन्द फिल्म पारसमणी अपने समय बहुत कामयाब हुई थी। इसमें एक गाना था, "वो जब याद आए तो बहुत याद आए...।"

यह गाना आज भी बहुत लोकप्रिय है। इस फिल्म में नायक की भूमिका उस जमाने के सुपरस्टार महिपाल ने निभाई थी। पर्दे पर महिपाल पर यह गाना फिल्माया गया था।

मगर बहुत कम लोग जानते होंगे कि अभिनेता महिपाल जोधपुर के थे। वे जैन समाज के भण्डारी गौत्र से थे। उनका पूरा नाम महिपाल भण्डारी था। उनका जन्म 24 नवंबर 1919 में जोधपुर में हुआ था। बचपन से ही उन्हें अभिनय का शोक था। जोधपुर में उन दिनों जहां कहीं भी रामलीला का मंचन होता तो अपने दादा जी को साथ लेकर जरूर पहुंच जाते। स्कूली शिक्षा के बाद उन्होंने जसवंत गवर्नमेंट कॉलेज जोधपुर से साहित्य में स्नातक किया। उन्हें लोक नाट्य देखने और कविताएं लिखने का भी शोक था। इसी को चलते वे गीतकार बनने एक बार बम्बई भी गए। उन्होंने 1940 के दशक की शुरुआत में मुंबई जाने से पहले थिएटर में काम भी किया।

पांचवें दशक की शुरुआत होते होते फिल्म जगत में प्रादेशिक भाषाओं में फिल्में बननी शुरू हो गई थी। जी बी कपूर ने भी सोचा कि सभी प्रादेशिक भाषाओं में फिल्में बन रही है और चल भी रही है,तो क्यों ना राजस्थानी फिल्म बनाई जाए। उन दिनों तक महिपाल जोधपुर में ही थे। एक दिन जी बी कपूर आनन्द बिहारी देलवा और सोहराब मोदी के सहायक को साथ लेकर कलाकारों का चयन करने जोधपुर पहुंच गए। उन लोगों ने नायक के लिए महिपाल का चयन कर लिया। सवा सौ रुपए महीना की तनख्वाह देने की बात तय हो गई।

अभिनेता महिपाल

इस प्रकार 1942 में फिल्म नजराना से महिपाल के फिल्मी करियर की शुरुआत हुई। यह फिल्म राजस्थानी और हिंदी में बनाई गई। मगर दुर्भाग्य से यह फिल्म चल नहीं पाई। मगर फिल्मी नगरी में महिपाल की पहचान बन गई। इसके बाद उनकी मुलाकात वी. शांताराम से हुई तो वी. शांताराम ने गीत लिखने का प्रपोजल रख दिया। महिपाल ने बात मान ली।

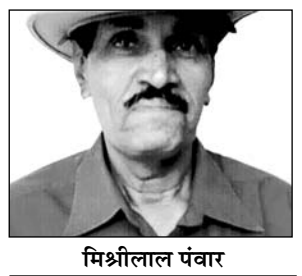

मिश्रीलाल पंवार

इसके बाद उन्होंने वी. शांताराम की चार फिल्मों के लिए लिए गीत लिखे। वीं शांताराम के साथ उनके काम ने उन्हें स्थायी पहचान दिलाई। उन्होंने सोहराब मोदी और बाद में वाडिया ब्रदर्स, होमी वाडिया और जेबीएच वाडिया जैसे निर्देशकों के साथ काम किया। उन्होंने निरूपा रॉय, माला सिन्हा और यहां तक कि मीना कुमारी जैसी अभिनेत्रियों के साथ कई पौराणिक और ऐतिहासिक फिल्मों में काम किया। अनिता गुहा के साथ उनकी जोडी काफी लोकप्रिय रही थी। उन्होंने अलीबाबा और 40 चोर (1954), जेनी (1953), अलादीन और जादूई चिराग (1952) और अलीबाबा का बेटा (1955) सहित अरेबियन नाइट्स पर आधारित फंतासी फिल्मों की एक श्रृंखला भी की थी। वह पौराणिक एवं ऐतिहासिक फिल्मों का दौर था। हांलांकि उस समय पारम्परिक फिल्में भी बन रही थी। अशोक कुमार, देवानंद, दिलीप कुमार, राजेंद्र कुमार, धर्मेंद्र, राजकुमार जैसे कलाकार पारम्परिक फिल्मों में नायक की भूमिका निभा रहे थे। वहीं महिपाल स्टंट फिल्मों के स्टार थे। जिसमें पारसमानी, ज़बक, कोबरा गर्ल, जंतर मंतर, अरेबियन नाइट्स थीम वाली फिल्मों सहित अलीबाबा का नाम लिया जा सकता है। पौराणिक फिल्मे संपूर्ण रामायण, गणेश महिमा, वीर भीमसेन, जय संतोषी मां ने उन्हें लोकप्रिय बना दिया। उन्हें भगवान विष्णु, भगवान राम और उनके दो भगवान कृष्ण की प्रतिष्ठित भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है। तुलसीदास और अभिमन्यु की भूमिका निभाने के अलावा, विभिन्न पुराणों, महाभारत, भागवत पुराण पर आधारित कई फिल्मों में वे दिखाई दिए। वी शांताराम के नवरंग (1959) में मुख्य भूमिका के रूप में भी जाना जाता है। उन्होंने वी. शांताराम की नवरंग (1959) और बाबूभाई मिस्त्री की पारसमणि (1963) सहित 1950 और 1960 के दशक की कई प्रसिद्ध फिल्मों में अभिनय किया और सुपर स्टार के रूप में अलग ही पहचान बनाई। उन्होंने करीब 130 फिल्मों में कार्य किया। राजस्थानी में बनी बाबा रामदेव फिल्म की सफलता ने महिपाल को अपार सफलता दिलाई। बाबा रामदेव के भक्त जब इस फिल्म को देखने सिनेमाघरों में जाते तो पर्दे के आगे शीश झुकाना नहीं भूलते। सम्पूर्ण रामायण तथा कण कण में भगवान में उनके अभिनय की खूब सराहना हुई। 1970 के दशक की हिट जय संतोषी मां (1975) जैसी फिल्मों में दिखाई दिए। उन्होंने 40 वर्षों तक कार्य करने के बाद फिल्मों से संन्यास ले लिया।

उनकी एक विशेषता थी, इतने बड़े कलाकार होने के बाद भी अभिमान उन्हें छू भी नहीं पाया। घर-परिवार में जब भी मांगलिक कार्य होते, वे जोधपुर दौड़े चले आते। आखिर 86 वर्ष की आयु में 15 मई 2005 को हृदय गति रुक जाने से उनका मुंबई में निधन हो गया।

मिश्रीलाल पंवार,

राशिफल शनिवार 24 सितम्बर, 2022

पंडित अनिल शर्मा

आश्विनी मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2079, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र परिवार प्रातः 5:07 तक, साध्य योग प्रातः 9:42 तक, विष्टि करण दिन 2:52 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-वृष, बुध-कन्या, गुरू-मीन, शुक्र-सिंह, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

भद्रा दिन 2:52 तक रहेगी। आज शुक्र कन्या राशि में रात्रि 9:03 पर प्रवेश करेगा। आज मास शिवरात्रि, चौदस का श्राद्ध और विषशस्त्रादि से मृतको का श्राद्घ है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ 7:49 से 9:19 तक, चर 12:14 से 1:49 तक, लाभ-अमृत 1:49 से 4:48 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:20, सूर्यास्त 6:18

मेष
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। आज व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

धनु
परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा।

वृष
परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आज नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मिथुन
नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को बाहर जाना पड़ सकता है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक मामलों में दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। धार्मिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। व्यावसायिक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

शूटरों के खिलाफ गवाही देने पर सम्पत नेहरा व लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने दी जान से मारने की धमकी

एक ट्रांसपोर्ट व्यवसायी ने इस संबंध में मामला राजगढ़ थाने में दर्ज करवा सुरक्षा की मांग की है

- शूटरों को राजगढ़ क्षेत्र में ठहराये रखने तथा उनके ठहरने की गाड़ियों व हथियारों की व्यवस्था करने के कारण संपत नेहरा एवं लॉरेंस बिश्नोई की गैंग से अपनी जान को बताया खतरा
- कुछ समय पहले इसी गैंग के गिरफ्तार हुए सदस्य मिंटू मोडासिया ने पुलिस पूछताछ में बताया था कि राजस्थान में अगला टारगेट जोगेन्द्र जड़िया है

सादुलपुर, (निसं)। एक ट्रांसपोर्ट व्यवसायी सम्पत नेहरा तथा लारेंस बिश्नोई गैंग से खतरा होने एवं हत्या मामले में गवाही देने पर जान से मारने की धमकी मिलने के आरोप का मामला राजगढ़ थाने में दर्ज करवाया गया है।

साथ ही दर्ज प्रकरण में शूटरों को राजगढ क्षेत्र में ठहराये रखने तथा उनके ठहरने की गाडियों व हथियारों की व्यवस्था करने के कारण संपत नेहरा एवं लॉरेंस बिश्नोई की गैंग से अपनी जान को खतरा बताते हुए सुरक्षा की माँग की गई है। प्रकरण अनुसार थानाधिकारी कृष्ण कुमार बलौदा ने बताया कि जोगेंद्र सिंह जडिया निवासी राघा बडी हाल पिलानी मोड सादुलपुर वार्ड नंबर 14 ने इस आरोप का मामला दर्ज करवाया है कि 19 सितंबर को वह कलेक्टर कार्यालय चूरू गया हुआ था। उसी समय परिवार की ही मिनिया निवासी राधा बडी का फोन आया तथा बताया कि आपसे मिंटू नेहरा निवासी राघा बडी मिलना चाहता है तब उसने पुछा कि मिनिया किस विषय में मिलना चाहता है, तो उसने बताया कि मिंटू नेहरा के साथ वीडियो कॉल से संपत नेहरा वह लॉरेंस बिश्नोई की बात हुई है, उस विषय में मिलना चाहता है।

इस पर उसने कहा कि वह चूरु गया हुआ है तथा शाम को मिल सकता हूं। तब 19 सितंबर की शाम को 7 बजे उनके घर पर मिनिया तथा मिंटू नेहरा बलवान आए तथा हमारे ऑफिस में बताया कि मिनिया व बलवान मिंटू नेहरा के घर पर राघा बडी गाँव बैठे थे तब पंजाब से मिंटू नेहरा के मोबाइल पर वीडियो कॉल आया तब संपत नेहरा वह लॉरेंस बिश्नोई ने बात की और कहा कि जोगेंद्र जडिया को बोल देना कि उसके भतीजे सुरेंद्र उर्फ ढिल्लू हत्या मामले में शूटर दिनेश डागर, मनजीत उर्फ नवीन, पवन तोतला, तथा खुद न संपत नेहरा के खिलाफ कोई गवाही नहीं देगा तथा किसी से गवाही नहीं दिलवाएगा तथा हमारे खिलाफ इस प्रकरण में किसी प्रकार की पैरवी में कार्रवाई नहीं करेगा, यदि वह करेगा तो हमारे शूटर राजगढ क्षेत्र में ठहरा रखे हैं तथा उनके ठहरने की गाडियों व हथियारों की व्यवस्था कर रखी है तथा लगातार रेकी कर रहे हैं।

तब मिंटू नेहरा को कहा कि जोगेंद्र जडिया के पास जाकर हां या ना में जवाब ले ले और संपत व लॉरेंस की वीडियो कॉल पर जाकर बात करवा दें, जिस पर मिंटू ने संपत को यह कहा है कि जोगेंद्र जडिया हम सब पर मुकदमा दर्ज करवा देगा, तो संपत ने कहा कि अपने पर 10-15० मुकदमे दर्ज हैं, वह अपना कुछ नहीं बिगाड सकता तथा लॉरेंस भाई ने भाई को 50 लाख देकर कनाडा भिजवाया है, वह पैसे भी जोगेन्द्र जडिया ही देगा। यदि वह इन बातों की मंजूरी नहीं देता है तो हम उनकी दो-चार दिन में रेकी कर मरवा देंगे, यह बात मिंटू नेहरा ने उसके ऑफिस में बैठकर उनके सामने बताई है। आरोप है कि मिंटू नेहरा ने उससे वीडियो कॉल पर संपत नेहरा व लारेंस बिशनोई से बात करवाने के लिए कहा तो उसने मिंटू को मना कर दिया तथा कहा कि मेरे को किसी बदमाश से बात नहीं करनी है। दर्ज मामले में बताया गया है कि संपत नेहरा व लॉरेंस बिश्नोई की गैंग से खतरा है तथा कुछ समय पहले इसी गैंग का सदस्य मिंटू मोडासिया गिरफ्तार हुआ था, तब उसने पुलिस पूछताछ में बताया था कि राजस्थान में अगला टारगेट जोगेन्द्र जडिया है तथा कपिल पंडित व सचिन भिवानी संपत नेहरा गैंग के सदस्यों को सौंप दिया है, उसके बाद से उसे जान से मारने की धमकी मिंटू नेहरा के मार्फत दी जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ कर दिया है।

शिविर में 515 रोगी लाभान्वित

सुजानगढ़, (निसं)। श्री दिगम्बर जैन समाज सुजानगढ निवासी गुवाहाटी प्रवासी स्वर्गीय जयचंदलाल सेठी की पुण्य स्मृति में उनकी धर्मपत्नी इलायची देवी एवं सुपुत्र एवं पुत्रवधू संदीप कुमार व शिल्पी सेठी के सौजन्य से सुजलांचल विकास मंच समिति के तत्वाधान में नि:शुल्क नेत्र जांच व ऑपरेशन शिविर का आयोजन हुआ। भाजपा जिला अध्यक्ष धर्मवीर पुजारी के मुख्य आतिथ्य एवं समाजसेवी प्रकाशचंद्र पाटनी की अध्यक्षता में आयोजित शिविर में जिलाध्यक्ष पुजारी ने कहा कि आंख है तो जहान है इस नेक व पुनीत कार्य के लिए सेठी परिवार व समिति का आभार व्यक्त किया। शिविर प्रभारी महक पाटनी ने जानकारी देते हुए बताया कि नेत्र रोग विशेषज्ञ अपूर्व कोटिया व उनकी टीम ने शिविर में अपनी सेवाऐं दी। शिविर में सुजानगढ, लाडनूं, जसवंतगढ, निम्बी, छापर, बीदासर, सालासर, फतेहपुर, लक्ष्मणगढ, तंवरा, गनेडी, डूंगरगढ, डीडवाना, सांडवा, जायल, सरदारशहर, नागौर, पाली सहित आस पास के क्षेत्रों के 515 रोगी लाभान्वित हुए व 100 जरूरतमंद रोगियों को नि:शुल्क दवाई वितरित की गई तथा 40 जरूरतमंद रोगियों का ऑपरेशन के लिए चयन किया गया।

सार-समाचार

10 वार्डों के सदस्य निर्विरोध निर्वाचित

चिड़ावा, (निसं)। चिडावा सहकारी समिति के दो वार्डों के लिए वोट डाले जा रहे है। मिली जानकारी के अनुसार समिति के 12 वार्डों में से 10 वार्डों के सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं। जबकि वार्ड पांच और 12 में निर्वाचन के लिए वोट डाले जा रहे है। इनमें वार्ड पांच में रामचंद्र सैनी और सुनील आमने सामने है। वहीं वार्ड 12 में प्रदीप कुमार और विजय कुमार आमने सामने है। इनमें वार्ड पांच में केवल 17 ही वोटर है और वार्ड 12 में 654 वोटर है। इनमें से वार्ड पांच में 16 और वार्ड 12 में 361 वोट पोल हुए है। चुनाव को लेकर सदस्यों में भी उत्साह देखने को मिला। समिति सदस्यों को पर्ची देकर आगे वोट डालने के लिए भेजा जा रहा था। झुंझुनूं रोड पर चौहान गेस्ट हाउस के पिछले भाग में इसके लिए मतदान केंद्र बनाया गया था। यहां पुलिसकर्मी पहचान पत्र देखकर अंदर लाइन में लगा रहे थे। वहीं अंदर अधिकारी भी पूरी जांच के बाद ही वोट डालने की इजाजत देते नजर आए। इधर चुनाव में खड़े प्रत्याशी मान मनोव्वल करते नजर आए। इस चुनाव का परिणाम शनिवार को आएगा।

छापर में रामलीला की तैयारी जोरों पर

सुजानगढ़, (निसं)। निकटवर्ती छापर कस्बे की संस्था युवा संस्कार मंच द्वारा नवरात्रा में रामलीला मंचन का आयोजन किया जाएगा,जिसकी तैयारियां जोरों पर चल रही है। संस्था के सरंक्षक प्रदीप सुराणा ने बताया कि आगामी 26 सितम्बर से 10 दिवसीय रामलीला व एक दिन के नाटक का मंचन स्थानीय कलाकारों द्वारा किया जाएगा। सुराणा ने बताया कि रघुनाथजी के मंदिर के सामने की गली में जनहितकारी स्कूल के सामने नेमीचंद जी लखोटिया के नोहरे में रामलीला का आयोजन होगा। रामलीला का निर्देशन दिनेश कुमार दर्जी द्वारा किया जाएगा। मुख्य पात्रों का किरदार निर्मल स्वामी, मनीष रक्षक, हेमंत तंवर, धनराज खटीक, शंकर सारस्वत, कन्हैया लाल नाई, चमन दूधोरिया आदि द्वारा निभाया जाएगा। रामलीला की तैयारियों में पार्थ सोनी, दीपक चांगल, अरुण पंडित, बाबुलाल जाजू, कन्हैया लाल स्वामी आदि जुटे हुए हैं।

हाथी की सवारी पर आएगी मां जगदंबा

रतनगढ़, (निसं)। मां जगदंबा की उपासना का पर्व वर्ष में चार बार आता है। इसमें दो गुप्त नवरात्रि और दो चेत्र व शारदीय नवरात्रि होती है। शारदीय नवरात्रि आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शुरू होती है। नवरात्रि की शुरुआत 26 सितंबर सोमवार सर्वार्थ सिद्धि योग से शुरू होगी। नवरात्रि घट स्थापना पूजन इस दिन अमृत मुहूर्त में प्रात: 6:21 से 7:52 बजे तक रहेगा, इसके पश्चात शुभ मुहूर्त प्रात: 9:21 से 10:51 बजे तक,सर्वश्रेष्ठ अभिजीत मुहूर्त 11:58 से 12:46 तक है। रतनगढ़ के आचार्य पंडित देवकीनंदन माठोलिया ने बताया कि अबकी बार मां जगदंबा का आगमन व प्रस्थान हाथी की सवारी पर ही होगा। ऐसा दुर्लभ संयोग कई वर्षों बाद आ रहा है। 3 अक्टूबर सोमवार को दुर्गाष्टमी, 4 अक्टूबर मंगलवार को दुर्गा नवमी धोक लगेगी, 5 अक्टूबर को मां जगदंबा की प्रतिमा विसर्जन व विजयदशमी दशहरा है। अमृत सिद्धि योग सर्वार्थ सिद्धि योग में नवरात्रि स्थापना धन वृद्धि और कार्य सिद्धि दायक होती है तथा सर्वश्रेष्ठ फल की प्राप्ति होती है।

नाम परिवर्तन

मेरी पुत्री किरण कंवर का विद्यालय में प्रवेश के समय बोलता नाम कोमल व जन्म तिथि 1 जनवरी 2002 लिखवा दी थी, जबकि सही नाम किरण कंवर व जन्म तिथि 15 अक्टूबर 2005 है। दोनों नामों को एवं जन्म तिथि को लेकर कोई विवाद होता है, तो उसकी मेरी जिम्मेदारी होगी।

भंवरसिंह बीदावत पुत्र रेवंतसिंह नाहरसरा, तहसील सरदारशहर (जिला चूरू)

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम **आदिल** से बदल कर **आदिल सोलंकी** कर लिया है, भविष्य के सभी उद्देश्यों के लिए मुझे **आदिल सोलंकी पुत्र श्री कादर खान** के नाम से जाना जावे। **पता - वार्ड नं. 21, कुबा मस्जिद के पास राजगढ़, चूरू**

पोषण मेले का आयोजन

बिसाऊ, (निसं)। को पंचायत समिति अलसीसर परिसर में महिला एवं बाल विकास विभाग की तरफ से ब्लॉक स्तरीय पोषण मेले का आयोजन कार्यालय बाल विकास परियोजना अलसीसर में किया गया जिसमें विशिष्ट अतिथि उप निदेशक महिला एवं बाल विकास विभाग झुंझुनू बिजेंद्र सिंह राठोड ने पोषण माह की विस्तृत जानकारी दी व हरी झंडी दिखाकर पोषण रैली निकाली गई। मुख्य अतिथि उपखंड अधिकारी मलसीसर साधु राम जाट ने फीता काटकर मेले का शुभारंभ किया। मेले के दौरान विभाग द्वारा विभिन्न स्टॉल पूर्व प्राथमिक शिक्षा, मिशन शी, उड़ान योजना व पोषाहार व्यंजन प्रदर्शनी लगाई गई। आंगनवाड़ी केंद्र के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रोग्राम की प्रस्तुति दी। महिलाओं की एनीमिया जांच करवाई गई। विशेष अतिथि के रूप में विकास अधिकारी अलसीसर महेश चंद्र, सीबीओ राजेंद्र खींचड, बीसीमो डॉ. राहुल सुमन, प्रोग्रामर संदीप सिहाग, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी आईसीडीएस सुरेश दहिया उपस्थित रहे। सीडीपीओ अमित गेट ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों को सम्मानित किया। इस मौके पर सभी कार्मिक, कार्यकर्ता, सहायिका व ग्रामीण महिलाएं शामिल रही

धमकी देकर बार-बार दुष्कर्म करने का आरोप

सादुलपुर, (निसं)। हमीरवास थाने के एक गाँव निवासी विवाहिता ने अपने पति के धर्म भाई के खिलाफ नशे की गोली देकर अश्लील वीडियो बनाकर बार-बार दुष्कर्म करने के आरोप का मामला हमीरवास थाने में दर्ज करवाया है तथा साथ ही विवाहिता का उक्त अश्लील वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल करने के आरोप लगाया है।

थानाधिकारी राधेश्याम ने बताया कि पीडिता ने बताया कि उसका पति हिसार में प्राईवेट काम धंधा करता है तथा आरोपी विकास मेघवाल निवासी गुडान उसके पति का धर्म भाई होने के कारण उसका उनके घर आना-जाना था। पीडिता का आरोप है कि करीब दो साल पहले सर्दियों के समय उसके चोट लगने पर आरोपी विकास उसके घर पर आया हुआ था तथा उसने पीडिता से यह कहकर एक गोली दी। गोली लेने के बाद उसे नींद आ गई। जिसके बाद उसके उसके देवर राजपाल ने उसके पास फोन करने लगा तथा उसे कहता कि उसने और विकास ने आपकी अश्लील विडियों बना रखी है, आप मेरे साथ भी अवैध संबंध बना लो नहीं तो मैं उक्त विडियों सोशल मीडिया पर वायरल कर दूंगा। जब उसने विकास से इस बारे में पुछताछ की तो उसने कहा कि उस दिन रात को उसने उसे नींद की गोली दी थी और आपके साथ अवैध संबध बनाये थे तथा राजपाल ने विडियों बनाई थी।

उसके बाद विकास उसे उक्त विडियों सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर मेरे साथ बार-बार दुष्कर्म करता रहा। करीब तीन महिने पहले आरोपी विकास ने उक्त विडीयों उनके नंबर पर भेजी तो उसके पति ने विकास व उसके परिवारजनों से इस बारे में बातचीत की जिस पर उन्होंने कहा कि आप कोई कानूनी कार्यवाही मत करना। आरोप है कि अब विकास व राजपाल नें उसकी उक्त अश्लील विडियों सोशल मीडिया पर वायरल कर दी है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ कर दिया है।

कार्यालय नगरपालिका विद्या विहार (पिलानी)

क्रमांकः-न.पा.वि.वि./2250 दिनांक 23.09.2022

आपत्ति विज्ञप्ति

निम्न आवेदनकर्ताओं ने नगरपालिका विद्या विहार क्षेत्र के समस्त वार्डों/कॉलोनी/मौहल्लों में अपनी सम्पति पट्टे/अन्य कार्य के लिए आवेदन किया है। संबंधित आवेदन की विस्तृत जानकारी नगरपालिका विद्या विहार की वैबसाईट एवं स्वायत शासन विभाग की वैबसाईट http://Isg.urban.rajasthan.gov.in तथा https://sahar2021.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। अपना दावा/आपत्ति नगरपालिका विद्या विहार कार्यालय में 07 दिवस में प्रस्तु करें।

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका विद्या विहार, पिलानी

पर्यावरण स्वीकृति सूचना

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि हमारी चेजा पत्थर (माइनर मिनरल) खनन योजना (M.L.No. 4/2021 क्षेत्रफल 1.9421 हैक्टेयर) जो निकट ग्राम डोकन तहसील पाटन जिला सीकर, राजस्थान में स्थित है को राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण, जयपुर के पत्र क्रमांक F-1 (4) SEIAA/ SEAC-RAJ/ SECTT/ PPROJECT/ CAT. B2 (21184)/ 2021-22 द्वारा दिनांक 20 सितम्बर 2022 को पर्यावरण स्वीकृति प्रदान की गई है। इसकी प्रतिलिपि आरएसपीसीबी अनुपालन व रिकॉर्ड के लिए राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मण्डल कार्यालय व SEIAA Rajasthan की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

मुकेश कुमार मीणा
पुत्र श्री कैलाश चन्द मीणा,नि. ढाणी मोठू मीणा, डोकन जिला सीकर

कार्यालय ग्राम पंचायत टिडियासर, पंचायत समिति रतनगढ़

क्रमांक :-SPL-1-3 दिनांक 22.09.2022

खुली प्रतियोगी बोला

नीचे अंकित की अवधि के लिए ग्राम पंचायत क्षेत्र टिडियासर में सफाई कार्य हेतु श्रम विभाग में रजिस्टर्ड अनुभवी ठेकेदार फर्मों एवं एन.जी.ओ. से खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती हैः-

क्र. सं	सफाई कार्य का विवरण	अनुमानित ठेका राशि	अमानत राशि रूपये	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि	निविदा खोलने की तिथि
1	2	3	4	5	5
1	ग्राम पंचायत टिडियासर के सभी वार्डों में प्रतिदिन सफाई करना,घर-घर से कचरा संग्रहण करना, नाली निकालना, ठोस कचरा प्रबंधन, बर्षाती रेत हटाना, आवारा मृत पशुओं आदि उठाकर गांव से बाहर यथा स्थान डालने का कार्य तथा सार्वजनिक शौचालयों की सफाई, राजीव गांधी सेवा केन्द्र परिसर की सफाई कार्य एवं घरों से ठोस कचरा सूखा कचरा ट्रेक्टर ट्रोली में डालकर गांव के बाहर यथा स्थान पर निपटारा करना आदि कार्य	400000 (अवधि अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 तक)	अनुमानित राशि का 2 प्रतिशत	04.10. 2022 दोपहर 12.00 बजे	04.10. 2022 को 3.00 पीएम बजे

नोटः- निविदा प्रपत्र दिनांक 24.09.2022 से दिनांक 30.09.2022 को सांय 4 बजे तक निविदा शुल्क रू 500/- जमा करवाकर ग्राम पंचायत टिडियासर से प्राप्त कर सकते है।
सफाई ठेका की विस्तृत शर्तें एवं कार्य विवरण, निविदा प्रपत्र, ग्राम पंचायत टिडियासर के कार्यालय समय में आकर देख सकते है।
NIB- ZCR202223A0518
UBN-ZCR2223SSOB00863

(परमेश्वरी)
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत टिडियासर
पंचायत समिति, रतनगढ़ (चूरू)

(शरबती देवी)
सरपंच
ग्राम पंचायत टिडियासर
पंचायत समिति, रतनगढ़ (चूरू)

कार्यालय ग्राम पंचायत कांगड़ पंचायत समिति, रतनगढ़

क्रमांकः-प()निविदा/21-22/69 दिनांकः-23.09.2022

खुली निविदा सूचना

राजस्थान पंचायत राज नियम 1996 के नियम 181(1) के अन्तर्गत निम्न कार्यों को करवाये जाने के लिए पंचायती राज विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, नगर निगम एवं राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों में पंजिकृत सक्षम श्रेणी के संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में खुली निविदा आमंत्रित की जाती हैः-

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत लाखों में	निविदा प्रपत्र शुल्क रूपयों में	निविदा प्रपत्र प्राप्ति की तिथि समय	तकनिकी एवं वित्तिय निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि व समय	निविदा खोलने कीं तिथि व समय
1.	गंदे पानी की निकासी हेतु ड्रेनेज लाईन मय चेंबर कार्य भगवानाराम माली के घर से गेनाणी जोहड़ चैनपुरा फेज प्रथम	5.00	500	27.09.2022 को प्रातः 11 से 04.40.22 को सांय 4 बजे तक कार्यालय दिवस में	06.10.2022 को सुबह 11 तक	06.10.2022 को दोपहर 3 बजे
2	गंदे पानी की निकासी हेतु ड्रेनेज लाईन मय चेंबर कार्य भगवानाराम माली के घर से गेनाणी जोहड़ चैनपुरा फेज द्वितीय	5.00	500			
3	गंदे पानी की निकासी हेतु ड्रेनेज लाईन मय चेंबर कार्य भगवानाराम माली के घर से गेनाणी जोहड़ चैनपुरा फेज तृतीय	5.00	500			
4	गंदे पानी की निकासी हेतु ड्रेनेज लाईन मय चेंबर कार्य भगवानाराम माली के घर से गेनाणी जोहड़ चैनपुरा फेज चतुर्थ	5.00	500	दिवस में		

निविदा की शर्तें :-
1. निविदा प्रपत्र प्रत्येक कार्य के लिए अलग-अलग निविदा प्रपत्र की निर्धारित राशि नकद जमा करवाकर ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त किया जा सकेगा।
2. निविदा प्रत्र की तकनिकी व वित्तिय निविदा अलग-अलग लिफाफों में डालकर फिर दोनों एक लिफाफे में डालकर प्रस्तुत की जानी है।
3. निविदा की अमानत राशि कार्य अनुसार 2 प्रतिशत का डीडी सरपंच ग्राम पंचायत कागंड़ के नाम देय संलग्न करना आवश्यक है। अन्य सभी शर्तें कार्यालय समय में देखी जा सकती है व निर्धारित प्रपत्र के साथ संलग्न है।

NIB -ZCR2223A0519, UBN-ZCR2223WSOB00864

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत कांगड़
पंचायत समिति, रतनगढ़

सरपंच
ग्राम पंचायत कांगड़
पंचायत समिति, रतनगढ़

बीमारियों के बारे में जागरूक किया

रतनगढ़, (निसं)। राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना द्वारा रतनगढ़ शहर में आमजन की सुविधा हेतु सीवरेज प्रणाली के विकास के लिये विभिन्न आधारभूत विकास कार्य के साथ ही इन कार्यो के प्रति आमजन की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा समय-समय पर विभिन्न विषयों पर जनजागरूकता कार्यक्रम भी करवाये जाते है।

इसी क्रम में सामुदायिक जागरूकता एवं जन सहभागिता यूनिट के प्रवीण सिंह राठौड व एल एण्ड टी कम्पनी स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता हिमांशु मांडण ने राजकीय माध्यमिक विधालय वार्ड न 14 स्टेट स्कूल में जागरुकता कार्यक्रम के तहत हैण्ड वासिंग तथा निजि एवं सामुहिक स्वच्छता विषय पर बिहेवियर चेंज एक्टिविटी का आयोजन किया गया। इसमे हैण्ड वासिंग की महत्वता व सही तरीका साफ सफाई में विधार्थियों की भुमिका सीवरेज प्रणाली के बेहतर उपयोग एवम रखरखाव तथा सीवरेज प्रणाली के लाभ बताये गये तथा मौसमी बीमारियों के बारे डेंगू, मलेरिया, के बचाव के उपाय बताये ! इस कार्यक्रम मे सुनिता मण्डार, प्रकाश चन्द शर्मा, विशाल गुप्ता, ओमप्रकाश शर्मा ने भाग लिया !प्रधानाध्यापक बनवारी लाल ने कार्यक्रम का संचालन करते हुये धन्यवाद दिया !

इनामी अपराधी को भेजा जेल

सादुलपुर, (निसं)। हमीरवास थाना पुलिस ने थाने के हिस्ट्रीशिटर प्रदीप स्वामी जैतपुरा सहित चार व्यक्तियों की हत्या के प्रकरण में शामिल पाँच हजार रूपये की ईनामी अपराधी को हमीरवास थाना पुलिस ने उपखण्ड मजिस्ट्रेट

- चार लोगों की हत्या प्रकरण में शामिल था पांच हजार का इनामी बदमाश

राजगढ से प्रोडेक्शन वारंट जारी करवाकर जिला कारागृह भिवानी हरियाणा से आरोपी सोमवीर उर्फ सोमला पुत्र दुलीचन्द जाति जाट उम्र 27 साल निवासी गुगलवा पुलिस थाना हमीरवास जिला चूरू को गिरफ्तार किया गया है।

थानाधिकारी राधेश्याम ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त सोमवीर उर्फ सोमला से प्रकरण में पुछताछ एवं अनुसंधान के बाद न्यायालय में पेश किया, जहाँ से अदालत ने उसे जेल भेज दिया है।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगरपरिषद, हनुमानगढ़

क्रमांक: 3062 दिनांक: 23.09.2022

लोक सूचना

श्री कुलदीप सहारण पुत्र श्री मुंशीराम जाति जाट निवासी हनुमानगढ़ जंक्शन तहसील व जिला हनुमानगढ़ ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन (आवासीय) के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है: अर्थात:-
जिला-तहसील का नाम - तहसील हनुमानगढ़ जिला हनुमानगढ़ , **ग्राम का नाम**-चक नं. 2 केएनजे, **पत्थर नं.**:- पत्थर नं. 112/261 मु.नं. 41, किला नं. 6/3/0.178, 7/1/0.181, 14/0.253, 15/0.2164, 16/0.2069, 17/0.253, 25/0.1066 एवं पत्थर नं. 113/261 मु. नं. 42, किला नं. 11/4/0.0079, **क्षेत्र:** कुल 1.4028 हैक्टेयर भूमि। इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 23.09.2022 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी

बरसात ने किसान को रुलाया, बाजरे की फसल बर्बाद

पशुओं के लिए भी आएगा चारे का संकट

धौलपुर, (निसं)। पिछले कई दिन से धौलपुर जिले में बरसात का दौर जारी है। जिस कारण बाजरे की फसल बर्बाद हो चुकी है। बरसात से खेत में भरे पानी के बीच बाजरे की फसल को सड़ती हुई देख किसानों का हाल बेहाल है और उनका धैर्य जवाब दे रहा है।

इन दिनों ज्यादातर किसानों की फसल की कटाई चल रही थी तथा कुछ की पक्की हुई खेतों में खड़ी थी। इसी दौरान बरसात का दौर शुरू हो गया। जिससे खेत में कटी पड़ी फसल पानी में डूब गई और बर्बाद हो गई। किसान बाजरे की फसल से काफी उम्मीद लगाए बैठे हुए थे और अच्छी पैदावार को लेकर तमाम सपने देख रहा था लेकिन अन्नदाता के सपनों को बरसात ने चकनाचूर कर दिया है।

धौलपुर में बाजरे की खराब हुई फसल दिखाते किसान।

- फसल बर्बाद होने की जानकारी लेने पर किसान मोबाइल पर ही फफक-फफक कर रोने लगे

बामनवास उपखंड क्षेत्र सहित जिले में हो रही बेमौसम की बरसात किसानों के लिए आपदा बनकर सामने आई है । बरसात से किसानों की पकी पकाई फसलें खेतों में ही बारिश का पानी भरने से तबाह हो गई। किसान की फसलें बरसाती पानी से दोबारा से अंकुरित हो गई। लगातार कई सालों से विभिन्न आपदाओं से खेती में नुकसान झेल रहे किसान समझ नहीं पा रहे हैं कि आखिर वे खुद को कैसे संभाले एवं हुए नुकसान की भरपाई आखिर कहां से करें । इस बेमौसम की बारिश से खासकर बाजरे की फसल चौपट हुई है । जब किसानों से इस बेमौसम बारिश के बाद उनके खेतों में खड़ी पक्की फसल बर्बाद होने की जानकारी ली गई तो दूरभाष पर ही किसान फफक पड़े। शुक्रवार को किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर सुरेश ओला को जिला मुख्यालय पहुंचकर फसल खराबे की गिरदावरी कराकर किसानों को मुआवजा दिलाने की मांग का ज्ञापन सौंपा।

जैतूसर सरपंच को 2.10 लाख रूपये की रिश्वत लेते हुए एसीबी ने दबोचा

ठेकेदार को छह माह से बिलों का भुगतान कमिशन के चक्कर में अटकाये रखा

रींगस, (निसं)। एसीबी जयपुर टीम ने शुक्रवार को रींगस से सटे जैतूसर ग्राम के सरपंच को रंगे हाथो रिश्वत लेते दबोच लिया। रिश्वत की राशी पीड़ित से लेकर सरपंच श्रवण कुमार वर्मा ने अपनी कार में रख ली। मौका पाकर टीम ने सरपंच को गिरफ्तार कर लिया। एसीबी टीम अन्य जगहों पर भी दबीश दे रही है। बाद में गिरफ्तार सरंपच श्रवण कुमार वर्मा को एसीबी रींगस थाने लेकर आई। जहां से बाद में उसे जयपुर ले गई।

गिरफ्तार सरपंच श्रवण कुमार।

एसीबी के निरीक्षक मानवेन्द्र सिंह ने बताया की एसीबी में एक परिवादी ने अपनी शिकायत दी थी। इस पर एसीबी महानिरीक्षक बीएल सोनी के निर्देशन में उप महानिरीक्षक विष्णुकांत के सुपरविजन में टीम ने मामले का सत्यापन करवाया तो मामला सही शाबित हुआ। इस पर एसीबी की टीम एएसपी आहद खान तथा निरीक्षक मानवेन्द्र सिंह के नेतृत्व में पीडित के साथ जयपुर से रींगस पहुंची। एसीबी ने पीड़ित को दो लाख दस हजार रूपये का बंडल बना कर सौंप दिया।

इसके बाद पीड़ित ने जैतूसर सरपंच श्रवण कुमार वर्मा से मोबाइल पर सम्पर्क किया तो राशी के साथ एनएच 52 पर गैस गौदाम के सामने लेकर पहुंचने का निर्देश दिया। पीड़ित के पीछे -पीछे एसीबी टीम भी मौके पर पहुंच गई। एनएच 52 पर सरपंच श्रवण कुमार वर्मा ने पीड़ित को अपनी कार में बैठा लिया तथा 2 लाख 10 हजार रूपये लेकर अपनी कार में रख लिये। इशारा पाते ही एसीबी टीम ने सरपंच को दबोच लिया ।

जानकारी के अनुसार पीड़ित ठेकेदार है तथा कई ठेके लिये लेकिन सरपंच ने 20 प्रतिशत कमिशन के चक्कर में बिल अटकाये रखा। पीड़ित 6 माह से सरपंच के चक्कर काट रहा था। हार थक कर उसने एसीबी का रूख किया। बताया जा रहा है कि सरपंच ने पीडित की एक एमानत राशी के 1 लाख रूपये की राशी भी नही लौटाई जा रही। नये ठेके के लिए पीड़ित ने एक लाख रूपये की भी अमानत राशी जमा करवाई लेकिन सरपंच श्रवण कुमार वर्मा ने बकाया बिलों तथा अमानत राशी का भुगतान नही होने दिया।

इसके बादले में 2 लाख 10 हजार रूपये की मांग की गई। पीड़ित ने निर्माण कार्य के करीब 6 लाख रूपये का काम किया था। दो लाख दस हजार रूपये लेते ही टीम ने सरपंच को पकड़ लिया। एसीबी टीम इतना चौकन्ना थी कि किसी भो भनक तक नही लगी और सरपंच को भागने का मौका भी नही दिया। वही एसीबी की दूसरी टीम सरपंच के निवास पर तलाशी ले रही थी।

सुभाष नगर थाने का एएसआई रिश्वत लेते पकड़ा

भीलवाड़ा, (निसं)। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर शुक्रवार को चित्तौडगढ़ इकाई द्वारा भीलवाड़ा में कार्यवाही करते हुये विजय सिंह सहायक उपनिरीक्षक पुलिस, थाना सुभाषनगर, जिला भीलवाड़ा को परिवादी से 10 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

एसीबी के महानिदेशक भगवान लाल सोनी ने बताया कि ए.सी.बी. की चित्तौडगढ इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसके विरुद्ध दर्ज प्रकरण में कोई कार्यवाही नहीं करने और मामले रफा-दफा करने की एवज में विजय सिंह सहायक उपनिरीक्षक पुलिस थाना सुभाषनगर भीलवाड़ा द्वारा 22 हजार रूपये की रिश्वत राशि मांगकर परेशान किया जा रहा है, जिस पर एसीबी उदयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस राजेन्द्र प्रसाद गोयल के सुपरवीजन में एसीबी की चित्तौडगढ इकाई के पुलिस निरीक्षक दयालाल चौहान के निर्देशन में शिकायत का सत्यापन किया जाकर उनकी टीम द्वारा भीलवाड़ा में ट्रेप कार्यवाही का आयोजन किया। कार्यवाही के दौरान आरोपी विजय सिंह सहायक उपनिरीक्षक पुलिस थाना सुभाषनगर, जिला भीलवाड़ा द्वारा परिवादी से 10 हजार रूपये की रिश्वत राशि स्वीकार की परन्तु एसीबी कार्यवाही की भनक लगने पर मौके से फरार हो गया।

खेतों में पड़ी बाजरे की फसल उगने लगी, कड़बी भी हुई खराब

- बारिश से किसानों के चेहरे मुरझाए, खेतों में भरा पानी
- पिछले एक हप्ते से लगातार पूरे क्षेत्र में बारिश हो रही है

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा सहित आस - पास के क्षेत्र में 50 से अधिक गांवों में एक सप्ताह से हो रही बारिश से 80 प्रतिशत खराब हुई फसल ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। कई जगहों पर खेतों में पानी भर गया है। इससे बाजरे की फसल खराब हो रही है। पिछले एक हप्ते से लगातार हो रही बारिश से पूरे सत्ताईस क्षेत्र में फसलों को भारी नुकसान पर ग्राम सेवा सहकारी समिति चैयरमैन पुष्पा मीणा, वाइस चेयरमैन हरिसिंह शेखावत, प्रधान पूजा चौधरी, नगरपालिका चेयरमैन उर्मिला पंसारी, भाजपा व्यावसायिक प्रकोष्ठ जिला संयोजक कन्हैयालाल मीणा, पूर्व सरपंच जगन चौधरी, निर्मल पंसारी , प्रागपुरा जीएसएस चैयरमैन उपेन्द्र सिंह सहित पावटा पंचायत समिति के सरपंच गणों ने किसानों को भारी नुकसान होने पर सरकार से राहत की मांग की।

वहीं चेयरमैन पुष्पा मीणा ने सरकार से जल्द से गिरदावार रिपोर्ट व फसल नुकसान का उचित मूल्यांकन कर किसानों को उचित मुवावजे की मांग की। बारिश से उपखंड क्षेत्र में बुआई के मुकाबले पैदावार में अधिक गिरावट आने की संभावना है। पावटा उपखंड क्षेत्र सहित कई गांवों में जनजीवन अस्त व्यस्त हुआ है। खेतों में पानी भरा हुआ है अब न तो बाजरा बचा है और ना ही पशुओं के लिए चारा। खेतो में कटी पड़ी बजरा की फसल से फिर से बालियां अंकुरित हो गई हैं। खेतों में खडी फसल भी बारिश तथा तेज हवा के कारण पसर गई है। अब क्षेत्र के किसान सरकार से मुआवजे की मांग कर रहे हैं। किसानों में मायूसी छाई हुई है। किसानों का कहना है कि यही बारिश करीब 1 माह पहले होती तो किसानों को इसका फायदा मिलता।

पावटा क्षेत्र में बाजरे की फसल पानी में तैरती नजर आई।

राजस्व अपील अधिकारी का वरिष्ठ सहायक रिश्वत लेते गिरफ्तार

टोंक एसीबी की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

टोंक, (निसं)। टोंक एसीबी ने बडी कार्रवाई करते हुए टोंक न्यायालय राजस्व अपील अधिकारी कार्यलय के रीडर को 12 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। परिवादी से एक संपति के वाद में मदद करने की एवज में मांगी गई थी। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों टोंक इकाई द्वारा शुक्रवार को वरिष्ठ सहायक रीडर न्यायालय राजस्व अपील अधिकारी जिला टोंक लक्ष्मीनारायण को परिवादी से 12 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

- परिवादी से एक संपति के वाद में मदद करने की एवज में मांगी थी रिश्वत

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों टोंक इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य ने बताया कि एसीबी की टोंक इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत की गई कि पैतृक सम्पति के संबंध में चल रहे वाद में मदद करने की एवज में न्यायालय राजस्व अपील अधिकारी जिला टोंक के वरिष्ठ सहायक(रीडर) लक्ष्मीनारायण द्वारा 15 हजार रुपए की रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है। जिस पर एसीबी के महानिदेशक भगवानलाल सोनी के निर्देशानुसार एसीबी जयपुर के उपमहानिरीक्षक सवाईसिंह गोदारा के सुपरविजन में एसीबी टोंक इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य के निर्देशन में शिकायत का सत्यापन किया जाकर शुक्रवार को उनकी टीम द्वारा ट्रेप की कार्यवाही करते हुए लक्ष्मीनारायण पुत्र लालचंद रैगर निवासी मकान नं. 15, चन्द्रलोक होटल के पास टोंक हाल वरिष्ठ सहायक न्यायालय राजस्व अपील अधिकारी टोंक को परिवादी 12 हजार रुपए की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। आरोपी के निवास, अन्य ठिकानों की तलाशी एवं पूछताछ जारी है।

10 करोड़ की जमीन यूआईटी ने कब्जेधारियों से छुड़ाई

बीकानेर, (कासं)। रानीबाजार इंडस्ट्रियल एरिया में सिने मैजिक के सामने 10 करोड़ रुपए की करीब डेढ़ बीघा जमीन अब यूआईटी के कब्जे में है। मेन रोड पर स्थित इस जमीन पर बाउंड्री वॉल बनाकर अतिक्रमण किया हुआ था जिसे पुलिस फोर्स की मौजूदगी में हटा दिया गया है।

किशमीदेसर के खसरा 311 में सीने मैजिक के सामने वाली मेन रोड पर करीब डेढ़ बीघा जमीन पर भूमाफियाओं ने बाउंड्री बाल बनाकर कब्जा कर रखा था। यूआईटी के अधिकारी पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और दीवार पर बुलडोजर चला दिया। करीब डेढ़ बीघा जमीन से अतिक्रमण हटाकर अपने कब्जे में ली और वहां यूआईटी का बोर्ड लगा दिया। कार्रवाई के दौरान यूआईटी सचिव यशपाल गंगाशहर थाने का पुलिस जाप्ता और होमगार्ड के जवान मौजूद थे। यूआईटी सचिव आहूजा ने बताया कि कब्जे में ली गई जमीन करीब 10 करोड़ रुपए की है। जमीन के पीछे की तरफ मकान भी बने हैं जो और लोग रह रहे हैं। इन्हें गलत खसरे में मकान बनाने पर चेतावनी दी गई है। पूर्व में इसी रोड पर करोड़ों रुपए की जमीन अतिक्रमण मुक्त कराई गई थी।

नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नागणेची जी मंदिर से नारी निकेतन रोड पर 10 कब्जे हटाए। इसमें तीन दुकानें, दो कुंडियां और बाकी चारदीवारी शामिल है। दरअसल नागणेची मंदिर से नारी निकेतन रोड को वापस दुरुस्त किया जा रहा है। सड़क चौड़ी भी होगी। तीन महीने पहले नापजोख कब्जाधारियों को कब्जे हटाने के लिए नोटिस भी दिया गया था। फिर भी कब्जे नहीं हटे तो गुरुवार को निगम पूरे दलबल के साथ वहां पहुंचा। खुद निगम आयुक्त गोपालराम विरदा भी मौजूद रहे। निगम अधिकारियों का कहना है इन लोगों के पास पट्टा है लेकिन उसके बाहर आकर इन्होंने कब्जा किया है।

बजरी माफिया के खिलाफ पुलिस की रेड

जोधपुर, (कासं)। शहर में आठ दिन पहले लूणी थाना क्षेत्र में अवैध बजरी खनन को लेकर माफियाओं में जंग के चलते एक युवक की हत्या की गई थी। जिसके बाद अब पुलिस ने बजरी माफियाओं पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। हत्या के दूसरे से दिन से ही कार्रवाई आरंभ कर दी गई। शुक्रवार सुबह पुलिस ने लूणी नदी के शिकारपुरा इलाके में अवैध बजरी माफियाओं पर कार्रवाई करते हुए नौ डंपर अवैध बजरी के बरामद करने के साथ मौके से एक स्कार्पियो को जब्त किया । अवैध बजरी खनन कर्ता पुलिस पार्टी को आते देख वाहन छोड़कर भाग निकले। बाद में पुलिस ने खनन विभाग की टीम को भी बुलाया। थानाधिकारी ईश्वरवंद पारीक के अनुसार नौ डंपर अवैध बजरी से भरे जब्त किए गए तो एक स्कार्पियो को भी मौके से पकड़ा गया। पुलिस ने अब कार्रवाई के लिए खनन विभाग अधिकारियों को बुलाया है। डंपरों को जब्त करने के साथ मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

आरसी लाइसेंस के लिए भटक रहे लोग

बीकानेर, (निसं)। जिला परिवहन कार्यालय राजस्व की दृष्टि से संभाग का सबसे बड़ा कार्यालय है। जहां सैंकड़ों लोग अपने वाहन सम्बन्धी और ड्राइविंग लाइसेंस सम्बन्धी कार्यों के लिए बीकानेर जिला परिवहन कार्यालय पहुंचते हैं। लेकिन बीकानेर परिवहन विभाग के रिक्त पदों ओर आये दिन सर्वर डाउन की समस्या ओर तो जूझ ही रहा था कि अब विभाग में स्मार्टकार्ड छापने वाली निजी कंपनी के पास स्मार्टकार्ड ख़त्म होने की समस्या से ओर पब्लिक को दो -चार होना पड़ रहा है । परिवहन विभाग बीकानेर में पिछले 15 दिन से स्मार्टकार्ड नहीं छप रहे। जिससे वाहनों की आरसी और ड्राइविंग लाइसेंस संबंधी काम अटके हुए हैं । लोग अपनी आरसी ओर ड्राइविंग लाइसेंस के लिए विभाग के चक्कर लगा रहे हैं लेकिन उनके कागजात अप्रूव्ड हो जाने के बाद भी उन्हे स्मार्टकार्ड का स्टॉक ख़त्म होने की वजह से प्रिंट हुई आरसी और ड्राइविंग लाइसेंस नहीं मिल रहे।

उधर विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों से जब विभाग मे आरसी और डराइविंग लाइसेंस युक्त स्मार्टकार्ड नही मिलने का कारण पूछा जाता तो वे पूरे राजस्थान में ही स्मार्टकार्ड का स्टॉक ख़त्म होने का हवाला देकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं ।उधर अन्य राज्यों और मुख्य मार्गों पर परिवहन उड़न दस्ता और यातायात पुलिस सघन अभियान चलाकर वाहनों के कागजात के अभाव में वाहन जप्ती अथवा भारी जुर्माना वसूल रही है । स्मार्टकार्ड नहीं मिलने से वाहन चालकों ओर ड्राइविंग लाइसेंसधारी लोगो को मानसिक, शारीरिक और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है ।

इस सन्दर्भ में बीकानेर सिटीजन ऐशशिएसन के एडवोकेट हनुमान प्रसाद शर्मा और यातायात अधिवक्ता बनवारी लाल सिगड़ ने बताया कि जिला परिवहन कार्यालय बीकानेर में पिछले पंद्रह दिन से आरसी, ओर मोटर ड्राइविंग लाइसेंस का प्रिंट होने वाले स्मार्टकार्ड नहीं हैं।

54,777 सीटों के लिए जोसा द्वारा प्रथम राउंड सीट आवंटन

देश की आईआईटी, एनआईटी समेत कुल 112 कॉलेजों की सीटों की हुई रैंकिंग

कोटा, (निसं)। देश के आईआईटी-एनआईटी समेत कुल 112 कॉलेजों की 54477 सीटों के लिए जोसा द्वारा ज्वाइंट काउंसलिंग के प्रथम राउण्ड का सीट आवंटन जारी कर दिया गया है। विद्यार्थी जिन्हें प्रथम राउण्ड सीट आवंटन में किसी भी कॉलेज का सीट आवंटन हुआ है, उन्हें 26 सितम्बर को शाम 5 बजे तक ऑनलाइन रिपोर्टिंग करनी होगी।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा के अनुसार जोसा काउंसलिंग के प्रथम राउण्ड के सीट आवंटन के बाद जारी की गई ओपनिंग व क्लोजिंग रैंक के अनुसार 14703 रैंक वाले छात्र तथा 20 प्रतिशत कोटे के कारण 23 हजार 276 रैंक वाली छात्रा को आईआईटी धारवाड़ की इंट्राडिसिप्लीनरी ब्रांच का आवंटन किया गया। यह ब्रांच इस वर्ष ही प्रारंभ हुई। इसी तरह एनआईटी की जेंडर न्यूट्रल पूल कोटे से क्लोजिंग रैंक 7 लाख 60322 एआईआर पर रही जो कि एनआईटी मिजोरम की मैकेनिकल ब्रांच होम स्टेट कोटे से आवंटित हुई। इसके साथ ही 8 लाख 80 हजार 196 रैंक पर फीमेल पूल कोटे से एनआईटी मिजोरम की इलेक्ट्रीकल एवं इलेक्ट्रोनिक्स ब्रांच होम स्टेट कोटे से आवंटित की गई। ऑनलाइन रिपोर्टिंग के दौरान विद्यार्थियों को सर्वप्रथम अपना इनिशियल सीट अलॉटमेंट इन्फोर्मशन स्लीप डाउनलोड करनी होगी। इसके उपरांत विद्यार्थियों को आगे की काउंसलिंग में जाने के लिए काउन्सलिंग विकल्प फ्रीज, फ्लॉट व स्लाइड चुनना होगा। काउन्सलिंग विकल्प चुनकर विद्यार्थियों को आवश्यक दस्तावेजों 10वीं, 12वीं की अंकतालिका, कक्षा 12वीं का प्रमाण पत्र, कैटेगिरी संबंधित दस्तावेज, मेडिकल सर्टिफिकेट, कैंसिल चौक एवं जेईई मेन या एडवांस्ड के एडमिट कार्ड जैसे दस्तावेजों को स्कैन कर अपलोड करनी होगी। अंतिम चरण में विद्यार्थी को सीट असेपटेंस फीस जमा करनी होगी।

फीस जमा कराने के उपरांत जोसा वैरिफिकेशन अथॉरिटी द्वारा विद्यार्थियों के अपलोड किए गए दस्तावेजों को जांच कर उन्हें आवंटित सीट का कन्फर्मेशन दिया जाएगा। अपलोड किए गए दस्तावेजों में त्रुटि पाए जाने पर विद्यार्थियों को क्वेरी के माध्यम से सूचित किया जाएगा। स्टूडेंट्स को आयी क्वेरी का 27 सितम्बर तक रेस्पॉन्स करना आवश्यक है अन्यथा उनकी मिली सीट निरस्त कर दी जाएगी।

एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया की ऐसे विद्यार्थी जिन्होने जोसा काउंसलिंग में एनआईटी कॉलेजों के विकल्प भरे हैं, उन्हें स्टेट ऑफ एलिजिबिलिटी प्रूफ के तौर पर 12वीं बोर्ड का पास सर्टिफिकेट या मार्कशीट स्कैन कर अपलोड करनी होगी। केवल आईआईटी की कॉलेज च्वाइस भरने वाले विद्यार्थियों को स्टेट ऑफ एलिजिबिलिटी प्रूफ देने की आवश्यक्ता नहीं है। जिन विद्यार्थियों को प्रथम राउण्ड में कॉलेज का आवंटन नहीं हुआ है। उन्हें ऑनलाइन रिपोर्टिंग व सीट असेपटेंस फीस जमा करने की आवश्यकता नहीं हैं।

प्लाटून कमांडर कैदी को हीटर स्प्रिंग देते पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर केंद्रीय कारागार एक बार फिर सुर्खियों में है। हर बार कैदियों या बंदियों के पास से अवांछिय सामग्री मिलती आई है, मगर इस बार आरएसी का एक कंपनी प्लाटून कमाण्डर ही बंदी को हीटर स्प्रिंग देने जाते पकड़ा गया। जेल प्रशासन की तरफ से इस बारे में अब रातानाडा थाने में मामला दर्ज करवाया गया है। कंपनी प्लाटून की गिरफ्तारी फिलहाल नहीं बताई गई है।

रातानाडा थानाधिकारी सत्यप्रकाश ने बताया कि आरएसी का कंपनी प्लाटून कमाण्डर कल्याण सिंह जोधपुर केंद्रीय कारागाह आया था। बाद में वह जेल के अंदर गया। यहां पर मुख्य प्रहरी चंद्र प्रकाश को संदेह हुआ था। कंपनी प्लाटून कल्याणसिंह एक बंदी रामपाल पुत्र बाबूलाल से मिला और बाद में वार्ड संख्या 12 के बाथरूम में घुस गए। शक होने पर रामपाल बाहर खडा हो गया और कंपनी प्लाटून कल्याण सिंह ने बाथरूम का दरवाजा बंद कर दिया। बाद में खोलने पर चेकिंग में दो पैकेट हीटर स्प्रिंग पाई गई। दोनों पैकेट में दस दस हीटर स्प्रिंग थी। जिसे जेल प्रशासन ने बरामद कर पुलिस को सूचना दी। इस पर पुलिस वहां पहुंची। घटना में जेल प्रशासन की तरफ से केस दर्ज कराया गया है।

फलोदी जिले के प्रस्ताव में पोकरण विधानसभा क्षेत्र प्रभावित होगा

पुराने जातिगत समीकरण टूटेंगे, नए बनेंगे

पोकरण, (निसं)। फलोदी जिले के प्रस्ताव में पोकरण विधानसभा की सात पंचायतों के तीस हजार मतदात प्रभावित होंगे। प्रदेश में सात नए जिले बनाने के प्रस्ताव की तैयारियों के चलते प्रशासनिक स्तर पर प्रस्तावित जिला को लेकर प्रशासन द्वारा कागजी कार्रवाई की जा रही है। राजनैतिक ज्योतिष के अनुसार फलोदी को जिला बनने से टूटेंगी पोकरण विधानसभा की सात पंचायतें, 27 मतदाता बूथ, 77 रेवेन्यू विलेज, 14 पटवार मंडल में से अधिकतर राजपूत एवं बिश्नोई एससी /एसटी के मतदाताओं की संख्या फलोदी जिला बनने पर बदलेगी ।

फलोदी को जिला बनाने पर विधानसभा चुनाव 2028 परिसमन को देखते हुए पोकरण विधानसभा क्षेत्र में भाजपा का गढ़ ढह जाएगा। राजनीतिक ज्योतिष के अनुसार पोकरण विधानसभा क्षेत्र परंपरागत रूप से कांग्रेस की झोली में पक्की हो जाएगी। वही वर्तमान के क्षेत्रीय विधायक सालेह मोहम्मद को अपनी राजनीतिक सीट पक्की करने का जुगाड बनता नजर आ रहा है।

नवगठित पोकरण विधानसभा क्षेत्र के 2008 के चुनाव से लगातार नोख क्षेत्र में भाजपा के पक्ष में मतदाताओं का रुझान रहा है । फलोदी जिला बनाने के लिए पोकरण विधानसभा क्षेत्र की पंचायतों को शामिल किया जा रहा है। पोकरण विधानसभा का बंटवारा होना तय माना जा रहा है। पोकरण नोख उप तहसील क्षेत्र को हटाकर उसे फलौदी में जोड़े जाने का प्रस्ताव भी लिया गया है। नोख गांव के साथ ही साथ आस-पास के गांव को भी फलोदी से जोड़ने का प्रस्ताव लिया गया है।

नोख क्षेत्र के फलौदी में जाने के साथ ही यहां यहां के बाशिंदों को अधिक लाभ मिलेगा। वहीं दूसरी ओर नाचना पंचायत समिति से भी कई पंचायतों फलोदी में मर्ज हो जाएंगी। फलोदी को जिला बनाने के लिए प्रस्ताव राज्य सरकार को भिजवा दिए गए हैं। जिसमें नोख क्षेत्र के साथ पटवार मंडल नोख, बडाणा, मदासर, टावरी और चिन्नू , रायचंद वाला के नाम भिजवाए हैं। उसके साथ ही साथ ग्राम पंचायत हैं जिसमें नोख बडाना, रायचंद वाला, तालरिया,भदडिया, मदासर, भारमसर, टावरी वाला,पन्ना अवाय, शक्तिनगर ,आवाय, चिन्नू जालू वाला ,का नाम शामिल है जिसके लगभग तीस हजार मतदाता फलोदी जिला बनने पर शामिल हो सकते हैं। जिसमें अधिकतर पंचायतों एवं पटवार मंडल के राजपूत बाहुल्य एससी - एसटी एवं विश्नोई समाज के मतदाता जो कि लगातार पोकरण विधानसभा क्षेत्र बनने के साथ ही भाजपा का गढ़ रहा है। फलोदी को जिला बनाने का सीधा असर नोख क्षेत्र के तीस हजार मतदाताओं पर पड़ेगा ।

आम चर्चा यह भी है कि नोख के फलौदी में शामिल होने के कारण क्षेत्र की जनता को लाभ कम नुकसान ज्यादा होगा। जिसमें नोख क्षेत्र की जनता को मुख्यालय से दूरी घट जाएगी सरकारी योजनाओं का अधिक लाभ मिलेगा। वही नोख उप तहसील को उपखंड मुख्यालय की घोषणा की जा सकती है। फलोदी जिला बनने पर पिछडे क्षेत्र में कई लाभ मिल सकते हैं। वही नाचना उपनिवेशन में सरकारी भूमि आवंटन के लिए भूमिहीन काश्तकारों के आवेदन लोगों को वंचित रहना पड़ सकता है।

सरकारी दस्तावेजों में काफी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। वहीं जिला परिवर्तन होने के साथ ही जोधपुर ग्रामीण क्षेत्र में क्षेत्र आएगा। सरकारी दस्तावेजों के साथ ही साथ अन्य सभी कागजात में नोख वासियों को तकलीफ उठानी पड़ेगी। नोख के फलौदी में शामिल होने से क्षेत्र के ग्रामीण पंचायतों में कमी के साथ ही योजनाओं के चल रहे कार्यों के भुगतान में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता संत प्रतापपुरी ने बताया कि पोकरण विधानसभा क्षेत्र की जनता लगातार जिला बनाने की मांग उठा रही है । उसको नजर अंदाज करते हुए राज्य सरकार द्वारा फलोदी को जिला बनाने से परिसीमन क्षेत्र की जनता को नुकसान होगा। वही हाल ही में नोख उपनिवेशन उप राजस्व विभाग क्षेत्र को तोड़कर फलौदी में शामिल कर जिला बनाने से क्षेत्र की जनता को जबरदस्त नुकसान होगा।

जयपुर और करौली में करोना से दो लोगों की मौत

राज्य में शुक्रवार को 81 नए संक्रमित मिले हैं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में शुक्रवार को करोना संक्रमण से जयपुर और करौली में दो लोगों की मौत हो गई है। वहीं इस बीच राज्य में 81 नए संक्रमित मिले हैं। उधर प्रदेश भर में पिछले चौबीस घंटों में 191 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 826 रह गए हैं।

प्रदेश में शुक्रवार को 17 जिलों में 81 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले गुरूवार को 70 रोगी मिले थे। इधर राजधानी जयपुर में आज 16 नए मरीज सामने आए हैं। इसके अलावा प्रतापगढ़ में 12, अलवर में 10, सीकर व दौसा में 6-6, उदयपुर में 5, जोधपुर में 4, राजसमंद, बीकानेर, चितौड़गढ़, डूंगरपुर व सिरोही में 3-3, बूंदी व करौली में 2-2 तथा अजमेर, श्रीगंगानगर और कोटा में एक-एक नया संक्रमित मिला है। इस बीच राज्य में जांच के लिए 12 हजार 316 सैम्पल लिए गए हैं।

- **जयपुर में 16 नए संक्रमित पाए गए हैं।**
- **प्रदेश में पिछले 24 घंटों में 191 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 826 रह गए हैं।**

प्रदेश में शुक्रवार को भी नए संक्रमितों से दोगुना से अधिक रिकवरी हुई है। इस दौरान 191 मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही राज्य में एक्टिव केस घटकर 826 रह गए हैं। जयपुर में भी आज 37 रोगियों के रिकवर होने से 196 एक्टिव केस रह गए हैं। प्रदेश में भले ही नए संक्रमितों की संख्या में कमी आ रही लेकिन इस बीमारी से होने वाली मौतों का सिलसिला अभी भी जारी है। पिछले चौबीस घंटों में करोना से जयपुर और करौली में 1-1 संक्रमित की मौत हो गई है। इसके साथ ही अब तक राज्य में इस बीमारी से 9639 लोगों की मौत हो चुकी है।

राजधानी जयपुर में शुक्रवार को 12 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 4 नए मरीज मालवीय नगर में पाए गए हैं। सांगानेर में 2, बनीपार्क, बस्सी, गोपालपुरा, जगतपुरा, कालवाड़ रोड, करधनी, मानसरोवर, फागी, राजापार्क और टोंक फाटक इलाके में 1-1 नया संक्रमित मिला है।

जयपुर में गुरूवार को दिनभर बारिश का दौर जारी रहा। रुक-रुक कर हो रही बारिश से वाहन चालक काफी परेशान रहे लेकिन तापमान में गिरावट से लोगों को गर्मी से राहत मिली।

ज्वैलरी व्यवसायी से साढ़े 47 लाख रुपए की धोखाधड़ी

जयपुर (कासं)। रामगंज इलाके में ज्वैलरी व्यवसायी से व्यापार में 47.5 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। जब व्यवसायी ने अपने पैसे मांगे तो आरोपी ने गला दबाया और सिर पर गोली मारने की धमकी दे डाली। इस संबंध में थाने में मामला दर्ज करवाया गया है।

पुलिस के मुताबिक इस संबंध में मैसर्स हिमालय जैम्स फ्रूट मण्डी जौहरी बाजार के राकेश घीया ने बिसातियो का मोहल्ला रामगंज बाजार निवासी अकरम भाई के खिलाफ धोखाधडी का मामला दर्ज करवाया है। जिसमें बताया कि उसका हिमालया जैम्स के नाम से जौहरी बाजार में सेमी प्रिशियस रफ का व्यापार है। राकेश ने बताया कि वह कई साल से अकरम भाई को जानते है।

- **पैसे मांगने पर बदमाश ने गला दबाया और गोली मारने की धमकी दी**

उन्होंने अकरम भाई को ओपल वजन 365 किलो (तेरह हजार रुपए) प्रति किलो के हिसाब से 21 मई 2019 को बेचा था। इस व्यापार की कुल रकम 47 लाख 45 हजार रुपए थी। व्यापार इसी मोहल्ले के हनीफ भाई की मौजूदगी में तय हुआ था। अकरम ने कहा था कि वह व्यापार के पैसे 3 महीने में देना शुरू कर देगा और 6-7 महीने में पूरा हिसाब चुकता कर देगा। अगर वह हिसाब चुकता नहीं करता है तो पूरा माल वापस लौटा देगा।

क्या सरकार ताली बजाने के लिये घोषणाएं करती है : गुलाब चंद कटारिया

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में आज प्रश्नकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि जब सरकार के पास पर्यटन विकास कोष में 268 करोड़ रुपये सरकार के पास उपलब्ध थे तो चार वर्ष में केवल 4.68 करोड़ रुपये ही क्यों खर्च हुए। क्या सरकार ताली बजाने के लिये ही घोषणाएं करती है। पैसा उपलब्ध होते हुए भी खर्च नहीं किया। इस पर मंत्री मुरारी लाल मीणा ने कहा कि पिछले साल करोना के कारण सबसे ज्यादा असर पर्यटन विभाग पर ही हुआ था। इस कारण खर्च नहीं हो पाया। मीणा ने कहा कि पर्यटन विकास कोष में वर्ष 2022-23 में एक हजार रूपए आवंटित किए गए हैं, जिसमें से 600 करोड़ रुपए पर्यटन की आधारभूत संरचना को बढ़ाने के लिए तथा 400 करोड़ रूपए राज्य को पर्यटन डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने के लिए ब्रांडिंग सहित मीडिया प्लानिंग के लिए आवंटित किए गए हैं।

- **'जब सरकार के पास पर्यटन विकास कोष में 268 करोड़ रुपये उपलब्ध थे तो चार वर्ष में केवल 4.68 करोड़ रुपये ही क्यों खर्च हुए'**
- **मंत्री मुरारी लाल मीणा ने कहा कि पिछले साल करोना के कारण सबसे ज्यादा असर पर्यटन विभाग पर ही हुआ था। इस कारण खर्च नहीं हो पाया। अब तेजी से खर्च कर देंगे**

उन्होंने बताया कि राज्य में पर्यटन को विकास के लिए वर्ष 2020-21 में 100 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया था जिसे वर्ष 2021-22 में 500 करोड़ तथा वर्ष 2022-23 में एक हजार करोड़ रूपए कर दिया गया है।

इससे पहले विधायक अशोक लाहोटी ने प्रश्न किया कि आपने कुल खर्च बताया है वह केवल डेढ़ फीसदी है। इसमें कुछ मद हैं जिन पर खर्चा बता रहे हैं। तीर्थस्थल पर जीरो। चित्तौड़गढ़ में जीरो, शाहपुरा में जीरो, जयपुर में जीरो, बीकानेर में जीरो, नागौर में जीरो। इनमें एक रुपये भी खर्च नहीं किये गये। उन्होंने पूछा कि जब चार साल में मात्र 4.68 करोड़ खर्च हुए हैं तो एक हजार करोड़ रुपये कब तक खर्च करोगे। इस पर मंत्री ने कहा कि करोना के कारण ट्यूरिज्म सबेस ज्यादा प्रभावित हुआ था। और ज़ी कइ ऐसे कारण थे। नई घोषणा की गई थी। इन सारी प्रक्रियाओं में समय लगा। आने वाले समय में तेजी से खर्चा कर देंगे।

चारागाह भूमि का आवंटन करने पर मांगा जवाब

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने चारागाह भूमि का आवंटन सामाजिक संस्था को करने पर राजस्व सचिव और जयपुर कलेक्टर सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस प्रकाश गुप्ता और जस्टिस अनूप ढंड ने यह आदेश रवि कुमावत की जनहित याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता पीसी भंडारी ने अदालत को बताया कि वर्ष 2011 में सुप्रीम कोर्ट ने तय किया था कि चारागाह भूमि का आवंटन अन्य प्रयोजन के लिए नहीं किया जा सकता। इसके बावजूद भी राज्य सरकार ने 25 अप्रैल 2011 को एक अधिसूचना जारी कर कलेक्टर को भूमि आवंटन का अधिकार दे दिया। याचिका में कहा गया कि चारागाह भूमि समाप्त होने से इकोलॉजिकल बैलेस बिगड जाएगा और बेजुबान पशुओं की मौत हो जाएगी। इसके अलावा कानूनन चारागाह भूमि का ना तो किसी को आवंटित किया जा सकता है और ना ही इसका नियमितीकरण या अन्य प्रयोजन के लिए उपयोग किया जा सकता है। याचिका में कहा गया कि जिले के नरेना कस्बे की चारागाह भूमि पर एक सामाजिक संस्था ने कब्जा कर रखा है। वहीं अब इस भूमि को राज्य सरकार कब्जाधारी सामाजिक संस्था को आवंटित किया जा रहा है। याचिका में कहा गया कि इस संबंध में मुख्यमंत्री से लेकर सभी संबंधित अधिकारियों को शिकायत भेजी गई है, लेकिन संस्था के दबाव में अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई।

लम्पी के विरोध में शहीद स्मारक पर किया प्रदर्शन

जयपुर। गोरक्षा संघर्ष समिति चौमूं के तत्वाधान लम्पी बीमारी के विरोध विधानसभा घेराव के लिए बड़ी संख्या में शहीद स्मारक पर एकत्रित हुए। समितिसंयोजक शंकर गोरा ने बताया की विधानसभा घेंराव के लिए निकले के दोरान पुलिस ने बैरिकेड लगाकर बल प्रयोग किया। इस दोरान क़रीब आधे घंटे तक पुलिस के ने बल प्रयोग किया क़रीब 7 गोरक्षको के चोट आई है। एक गो-रक्षक के आँख पर गंभीर चोट आई है।

पुलिस ने शंकर गोरा, बंशीधर, सुनील जाँगिड, श्याम चोपड़ा, गजेंद्र राठौर, अमित कुमावत, शिवा यादव सहीत 16 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर हरमाडा थाने में ले जाया गया। शंकर गोरा ने बताया की राजस्थान में गौ माता लम्पी रोग से अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही है। राजस्थान का शायद ही कोई गांव होगा जहां गोवंश इस रोग से अछुती है हजारों हजार की संख्या में गोवंश काल ग्रसित हो चुकी है। गौ माता की यह पीड़ा असहनीय है। दुर्भाग्यपूर्ण है की आपके लिए राजनीतिक रूप से लाभप्रद ना होने के कारण इस रोग के विरुद्ध संघर्ष में राज्य सरकार द्वारा अपेक्षित प्रयास नहीं किए जा रहे हैं जिससे गौमाता की आत्मा भी सोच रही है कि काश मेरा भी वोट होता। समिति ने प्रमुख माँग की हैं । उनमें प्रत्येक मवेशी की मोत पर पशुपालक को 50,000 रुपए का मुआवजा मिले। गौशालाओं की अनुदान राशि बढ़ाई जाए। संक्रमित गायों के लिए आइसोलेशन सेंटर खोले जाएं। मृतक गायों के लिए अंत्येष्टि का उचित प्रबंध किया जाए। संक्रमण रोकने के लिए पंचायत स्तर पर प्रत्येक गांव में फागिंग में छिडकाव किया जाए। गोरा ने चेतावनी दी सरकार ने मांगे नहीं मांगी तो दुबारा जयपुर में कूच किया जाएगा। इस दौरान उप प्रधान प्रतिनिधि जयप्रकाश चौधरी, पूर्व सरपंच सुरेंद्र बोचलिया, कालाडेरा कॉलेज छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष अरविंद यादव, महेंद्र यादव, सुरेश गोदरा अनिल निठारवाल, जे.की बागड़ा आदि उपस्थित रहे।

- **पुलिस ने किया हल्का बल प्रयोग, कई लोगों के आई चोटें**

कोटा के तीन बदमाश गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। करधनी पुलिस ने तीन शातिर बदमाशों को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। यह गैंग वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रही थी। डीसीपी वंदिता राणा ने बताया कि आरोपी शरणजीत सिंह, प्रीतम गोस्वामी और रुद्रेश मीणा को गिरफ्तार किया है। करधनी थानाधिकारी बनवारी लाल मीणा के मुताबिक पुलिस को कुछ बदमाशों के गोकुलपुरा फाटक के पास अवैध हथियार लेकर घूमने की सूचना मिली थी। सूचना को पुख्ता करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी की। इस दौरान पुलिस ने तीन युवकों की घेराबंदी कर पूछताछ की। पूछताछ में संदेह होने पर जब उनकी तलाशी ली गई तो उनके पास एक देशी पिस्टल, 2 देशी कट्टे, 2 मैगजीन और 8 जिंदा कारतूस बरामद किए। उन्होंने बताया कि ये बदमाश कोटा और कोटा ग्रामीण में फायरिंग की वारदातों में वांछित रहे है। पुलिस ने बचने के लिए ये यहां फरारी काट रहे थे। फिलहाल पुलिस इन बदमाशों से अवैध हथियारों के संबंध में पूछताछ कर रही है। माना जा रहा है शहर में अवैध हथियार सप्लाई करने वाले नेटवर्क का खुलासा हो सकता है।

रोहित जोशी की अग्रिम जमानत रद्द करने से इनकार

जयपुर, (का.सं.)। दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट स्थित एनडीपीएस मामलों की विशेष अदालत ने मंत्री महेश जोशी के बेटे रोहित जोशी को दुष्कर्म मामले में मिली अग्रिम जमानत को रद्द करने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में दिल्ली पुलिस की ओर से दायर अर्जी को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने रोहित जोशी के खिलाफ ऐसी ठोस साक्ष्य पेश नहीं की है, जिससे साबित हो कि उसने अग्रिम जमानत का दुरुपयोग किया हो।

दिल्ली पुलिस की ओर से कहा गया कि आरोपी रोहित प्रभावशाली है और वह पीड़िता को धमका रहा है। आरोपी का संबंध हार्डकोर अपराधियों से भी है। इसलिए पीडिता की सुरक्षा कारणों से रोहित को दी गई अग्रिम जमानत को रद्द किया जाए। वहीं आरोपी की ओर से कहा गया कि वह जांच में सहयोग कर रहा है और उसने अग्रिम जमानत का दुरुपयोग नहीं किया है। इसके अलावा राजस्थान हाईकोर्ट ने पीडिता को सुरक्षा मुहैया कराने के निर्देश दे रखे हैं। गौरतलब है कि रोहित जोशी के खिलाफ पीडित युवती ने मई महीने में दिल्ली पुलिस को रिपोर्ट दी थी। इसमें कहा था कि रोहित ने शादी का झांसा देकर जनवरी 2021 से अप्रैल 2022 तक उसका शारीरिक शोषण किया है। एफआईआर में कहा कि रोहित मंत्री का बेटा है और उसे राजस्थान पुलिस पर भरोसा नहीं है।

रोहित रंग में लौटे, भारत ने श्रृंखला 1-1 से बराबर की

वर्षा बाधित दूसरे मैच में भारत 6 विकेट से जीता

नागपुर, 23 सितंबर। भारत ने रोहित शर्मा (46 नाबाद) की विस्फोटक पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया को वर्षाबाधित दूसरे टी20 मैच में शुक्रवार को छह विकेट से मात दी। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के सामने आठ ओवर में 91 रन का लक्ष्य रखा था, जिसे रोहित की टीम ने 7.2 ओवर में हासिल कर लिया।

जब लोकेश राहुल (10), विराट कोहली (10), सूर्यकुमार यादव (शून्य) और हार्दिक पांड्या (09) बड़ा योगदान देने में असफल रहे तब रोहित ने कदम आगे बढ़ाया और 20 गेंदों पर चार चौकों और चार छक्कों के साथ 46 रन की कप्तानी पारी खेली। भारत को आखिरी ओवर में नौ रन चाहिये थे और क्रीज पर नये-नये आये दिनेश कार्तिक ने एक छक्के के बाद एक चौका लगाकर टीम को जीत दिलायी। इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की शृंखला में 1-1 से बराबरी कर ली है।

रोहित शर्मा और लोकेश राहुल ने ऑस्ट्रेलिया के 90 रन के जवाब में भारत को विस्फोटक शुरुआत दिलायी और पहले ओवर में 20 रन जोड़े। राहुल के आउट होने से पहले दोनों के बीच 17 गेंदों पर 39 रन की साझेदारी हुई। भारत चार ओवर में 51 रन बनाकर सहज था लेकिन ऐडम ज़ैम्पा ने पांचवें ओवर में विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव को आउट करके मैच को रोमांचक बनाया।

ज़ैम्पा ने अपने दो ओवरों में 16 रन देकर तीन विकेट झटके, लेकिन उनका प्रयास बेकार रहा और भारत ने चार गेंदें रहते हुए यह मैच जीत लिया। यह साल 2022 में भारत की 20वीं टी20 अंतरराष्ट्रीय जीत है। भारत ने इसी के साथ एक साल में सर्वाधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय जीतने के पाकिस्तान के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है, जिसने 2021 में 20 मुकाबलों में विजय हासिल की थी।इससे पहले, भारत ने टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया को पहले बल्लेबाजी के लिये बुलाया। ऐरन फिंच ने पारी की दूसरी ही गेंद पर विकेटकीपर के सर के ऊपर से चौका मारकर अपने मंसूबे साफ कर दिये।

दूसरे ओवर में कैमरन ठाीन (पांच) और ग्लेन मैक्सवेल (शून्य) के आउट होने के बावजूद फिंच ने तेजी से रन बनाना जारी रखा। अक्षर पटेल ने अपने आखिरी ओवर में टिम डेविड को भी न्यून स्कोर पर आउट किया और 13 रन के बदले दो विकेट लेकर अपना दो ओवर का स्पेल समाप्त किया। फिंच एकतरफा ऑस्ट्रेलिया की पारी को आगे बढा रहे थे लेकिन चोट से उभर कर टीम में वापस आये जसप्रीत बुमराह ने उन्हें बोल्ड करके पवेलियन लौटाया। फिंच ने आउट होने से पहले 15 गेंदों पर चार चौके और एक छक्का जड़कर 31 रन बनाये।

इसके बाद मैथ्यू वेड और स्टीव स्मिथ ने पांचवें विकेट के लिये 18 गेंदों पर 44 रन की साझेदारी करके ऑस्ट्रेलिया को आठ ओवर में 90 रन के स्कोर तक पहुंचाया। स्मिथ आठवें ओवर की आखिरी गेंद पर रन आउट हो गये लेकिन इससे पहले वेड के तीन छक्कों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने इस ओवर में 19 रन जोड़ लिये। वेड ने 20 गेंदें खेलकर चार चौकों और तीन छक्कों के साथ ताबड़तोड़ 43 रन बनाये जबकि स्मिथ ने आठ रन बनाने के लिये पांच गेंदें खेलीं।

कमर की चोट के कारण शरत हटे, मनिका और साथियान सेमीफाइनल में

सूरत, 23 सितंबर। अचंत शरत कमल कमर की चोट के कारण अंतिम आठ के मुकाबले से हट गए जबकि जी साथियान और मनिका बत्रा जैसे भारत के शीर्ष टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने शुक्रवार को यहां राष्ट्रीय खेलों में अपने-अपने मुकाबलों में जीत के साथ सेमी फाइनल में जगह पक्की की। शरत हरियाणा के सौम्यजीत घोष के खिलाफ 2.1 से आगे थे और चौथे सेट में 6.1 से आगे चल रहे थे लेकिन उन्होंने चिकित्सा सहायता लेने के बाद मुकाबला छोड़ने का फैसला किया।

दूसरी ओर साथियान ने मानव ठक्कर को 4.1 से हराया। अब उनका सामना हरमीत देसाई से होगा जिन्होंने दीपित पाटिल को 4.1 से मात दी। गुजरात के मानुष शाह भी एफ आर स्नेहित को हराकर अंतिम चार में पहुंच गए। मनिका ने कृत्विका सिन्हा रॉय को 4.2 से हराया जबकि श्रीजा ने अयहिका मुखर्जी को 4.0 से मात दी। इससे पहले शरत ने पुरुष एकल में पश्चिम बंगाल के जीत चंद्रा को 4-2 (7-11, 11-6, 8-11,11-7, 11-6, 11-6) से हराया, वहीं साथियान ने पश्चिम बंगाल के रोनित भांजा पर इसी अंतर (7-11, 11-8, 7-11, 11-6, 11-9, 11-6) से जीत दर्ज की। महिला एकल के प्री-क्वार्टर फाइनल में हालांकि मनिका बत्रा को कड़ी टक्कर का सामना करना पड़ा। मनिका ने करीबी मुकाबले में कर्नाटक की कुशी वी को 4-3 (4-11, 11-8, 12-10, 4-11, 11-5, 8-11, 11-7) से मात दी थी।

पाक की जीत पर अफरीदी ने आलोचकों से ली चुटकी

कराची 23 सितंबर। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी-20 मुकाबले में मिली शानदार जीत से उत्साहित पाकिस्तान टीम के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने आलोचकों से चुटकी लेते हुए कहा कि कप्तान बाबर आजम और विकेटकीपर ओपनर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान बेहद स्वार्थी खिलाड़ी हैं जो मैच को आखिरी ओवर तक ले गये। दरअसल, पिछले कुछ समय से कप्तान बाबर आजम की फार्म और रिजवान के स्ट्राइक रेट को लेकर लगातार सवाल उठ रहे थे। एशिया कप में हालांकि शानदार प्रदर्शन करने के बावजूद टीम को फाइनल में श्रीलंका से हार का सामना करना पड़ा था जिसके आलोचना के सुर और मुखर हो गये थे। गुरुवार को बाबर आज़म (110) और मोहम्मद रिज़वान (88) के बीच हुयी 203 रन की साझेदारी की बदौलत पाकिस्तान ने इंग्लैंड को दूसरे टी20 मैच में 10 विकेट से मात दी। उसे यह जीत 20वें ओवर की तीसरी गेंद पर मिली थी। जीत से उत्साहित शाहीन अफरीदी ने आलोचकों को करारा जवाब देते हुये ट्वीट किया, मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि हमें कप्तान बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान से छुटकारा मिल जाना चाहिए, कितने सेल्फिश खिलाड़ी हैं दोनों, अगर सही से खेलते तो मैच 15 ओवर में ही समाप्त हो जाना चाहिए था मगर ये दोनों आखिर तक ले गए। इसको लेकर आंदोलन छेड़ा जाए न। ट्वीट के आखिर में उन्होने लिखा इस शानदार पाकिस्तानी टीम पर गर्व है। गौरतलब है कि यह दूसरा मौका है जब पाकिस्तान ने टी20 मैच में बगैर विकेट खोए लक्ष्य का पीछा करने में सफलता हासिल की है। इससे पहले उसने 2021 विश्व कप में भारत के खिलाफ 10 विकेट से जीत हासिल की थी। टी-20 श्रृंखला की तीसरा मुकाबला आज यानी शुक्रवार को कराची में खेला जायेगा।

वाडा ने ट्रामाडोल के सेवन पर लगाया प्रतिबंध

सिडनी 23 सितंबर। आस्ट्रेलिया के सिडनी में विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) ने शुक्रवार को दर्द निवारक दवा ट्रामाडोल को 2024 में एथलीटों के लिये प्रतिबंधित पदार्थों की सूची में शामिल करने का एलान किया है और कार्यकारी समिति की दूसरी बैठक के बाद गांजा पर प्रतिबंध बरकरार रखा है। वाडा ने एक प्रेस विज्ञिप्त जारी कर कहा, ट्रामाडोल का बेजा इस्तेमाल और गांजा और अफीम की लत चिंता का विषय है और यही कारण है कि कई देशों में इसे नियंत्रित दवा बना दिया गया है। वाडा ने अध्ययनों के आधार पर भी शारीरिक प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए ट्रामाडोल की क्षमता की पुष्टि की है। वाडा के अध्यक्ष विटोल्ड बांका ने कहा मैं आज कार्यकारी समिति के सदस्यों के बीच हुई उच्च स्तरीय बैठक की चर्चा से संतुष्ट हूँ। संबंधित विशेषज्ञों की सिफारिशों पर पूरी तरह विचार करने के बाद कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, जिनमें 2023 निषिद्ध सूची को मंजूरी भी शामिल है।

उच्चतम न्यायालय ने बीसीए की एजीएम 25 बुलाने की अनुमति दी

नयी दिल्ली, 23 सितंबर। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को बिहार क्रिकेट संघ की आमसभा की सालाना बैठक 25 सितंबर को बुलाने को मंजूरी दे दी । जस्टिस डी वाय चंद्रचूड़ और हिमा कोहली की पीठ ने निर्देश दिया कि पदाधिकारियों के चुनाव के नतीजे सीलबंद कवर में उनके समक्ष रखे जायें। पीठ ने कहा ," निर्वाचन अधिकारी ने बताया है कि छह उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए हैं। बीसीए की एजीएम 25 सितंबर को होगी ।"

भारतीय महिला गोल्फरों की आयिरिश ओपन में निराशाजनक शुरुआत

ड्रोमोलैंड कासल, 23 सितंबर। वाणी कपूर, त्वेसा मलिक, अमनदीप द्राल और दीक्षा डागर की भारतीय चौकड़ी ने केपीएमजी महिला आयरिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में शुक्रवार को निराशाजनक शुरुआत की। सत्र में शानदार लय में चल रही वाणी और दीक्षा 72 के एक समान स्कोर के साथ संयुक्त 67वें स्थान पर है। त्वेसा एक ओवर 73 के स्कोर के साथ संयुक्त 78वें जबकि अमनदीप दो ओवर 74 के स्कोर के साथ संयुक्त 93वें स्थान पर है। इन चारों खिलाड़ियों को कट में जगह बनाने के लिए दूसरे दौर में अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा।

विवेक, छेत्री की तिकड़ी, वायुसेना और सुदेवा जीते

नयी दिल्ली, 23 सितंबर। विवेक कुमार और रमेश छेत्री की तिकड़ियों की मदद से भारतीय वायुसेना और सुदेवा दिल्ली एफसी ने क्रमशः बंगा दर्शन और उत्तराखंड फुटबाल क्लब को हरा कर दिल्ली प्रीमियर लीग में पूरे अंक अर्जित किए। वायुसेना ने तरुण संघा को 4-1 से और सुदेवा ने उत्तराखंड को 6-1 से हराया। पहले मैच के मध्यांतर तक सुदेवा 2-1 से बढ़त बनाए थी। रमेश छेत्री के तीन शानदार गोलों के अलावा श्रीदार्थ और लाल बियकलियाना (2) ने बाकी गोल बांटे। इस जीत के साथ सुदेवा ने 18 मैचों में 31 अंक बना लिए हैं लेकिन ख़िताब जीतने की उम्मीद कम रह गई है। भारतीय वायुसेना और तरुण संघा के बीच खेला गया मैच उतार चढ़ाव वाला रहा। तरुण संघा ने जोय मेस्सी के गोल से शुरुआती बढ़त ली लेकिन वायुसेना के सदाबहार स्ट्राइकर विवेक कुमार ने दनादन चार दर्शनीय गोलों से तरुण संघा से पूरे अंक छीन लिए। विवेक का हर गोल पहले से बेहतर रहा।

सिंगापुर के खिलाफ दोस्ताना मुकाबले में झिंगन का खेलना तय नहीं

हो ची मिन्ह सिटी (वियतनाम) , 23 सितंबर। सिंगापुर के खिलाफ शनिवार को भारतीय टीम के पहले दोस्ताना फुटबॉल मैच में सीनियर डिफेंडर संदेश झिंगन को आराम दिया जा सकता है ।

झिंगन और चिंगलेनसना सिंह वीजा संबंधी मसलों के कारण टीम के साथ नहीं आये और शुक्रवार को सुबह तीन बजे ही यहां पहुंच सके हैं । टीम सूत्रों के अनुसार मुख्य कोच इगोर स्टिमक पहले मैच में झिंगन को आराम दे सकते हैं और वियतनाम के खिलाफ अगले मैच में ही उन्हें उतारेंगे । स्टिमक ने कहा कि सिंगापुर ने पिछले कुछ साल में शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन भारत उसे हरा सकता है। उन्होंने कहा ," सिंगापुर के पास नया कोच है और उन्होंने काफी बदलाव किये हैं जिससे विरोधी टीमों को मुश्किलें पेश आ सकती है लेकिन मैं अपने खिलाड़ियों से पूरे आत्मविश्वास के साथ खेलने के लिये कहूंगा ।"

जून में एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर में कामयाबी के बाद भारतीय टीम का यह पहला टूर्नामेंट है। स्टिमक ने कहा कि एएफसी क्वालीफायर में मिली सफलता लगातार चल रही प्रक्रिया का नतीजा है जिससे खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में चयन के लिये गुजरना होता है।

टिकट को लेकर मची भगदड़ के मामले में तीन एफआईआर दर्ज

हैदराबाद 23 सितंबर। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच रविवार को यहां खेले जाने वाले टी-20 क्रिकेट मैच की टिकट को लेकर मची भगदड़ के मामले में पुलिस ने पूर्व भारतीय कप्तान एवं हैदराबाद क्रिकेट संघ अध्यक्ष मोहम्मद अजहरूद्दीन एवं अन्य पदाधिकारियों के खिलाफ तीन अलग-अलग एफआईआर दर्ज की हैं। पुलिस ने शुक्रवार को यहां कहा कि क्रिकेट प्रशंसकों की शिकायत पर स्थानीय पुलिस ने गुरुवार रात एफआईआर दर्ज की है। प्रशंसकों का आरोप है कि राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पर भारत और आस्ट्रेलिया के बीच रविवार को खेले जाने वाले टी-20 मुकाबले की टिकट को लेकर कालाबाजारी की जा रही है और क्रिकेट संघ इस मामले में लापरवाह बना हुआ है। यह भी आरोप है कि सिकंदराबाद स्थित जिमखाना ग्राउंड पर टिकट बिक्री केन्द्र पर बेहद खराब इंतजाम किये गये थे जहां अराजक तत्वों का बोलबाला था। गौरतलब है कि टिकट बिक्री के दौरान भगदड़ जैसे हालात पैदा हो गये थे जिसमें दो महिलाओं समेत छह लोग घायल हुये जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सफाई की अव्यवस्था देख कर डीआरएम ने स्टेशन मास्टर को हटाने के दिए निर्देश

जोधपुर मण्डल की डीआरएम गीतिका पाण्डे ने सुजानगढ़ रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया

सुजानगढ़, (निसं)। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मण्डल की डीआरएम गीतिका पाण्डे ने सुजानगढ पहुंच कर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया तथा सफाई की अव्यवस्था को देख कर नाराजगी प्रकट की। डीआरएम ने स्टेशन मास्टर उमाराम चौधरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए एडीएन को स्टेशन मास्टर को हटाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पानी की टूंटी में लिकेज व कैंटीन की दुकान बंद मिलने तथा स्टेशन परिसर में फालतू ड्रम रखा हुआ देख कर डीआरएम ने नाराजगी जाहिर की। इस दौरान स्टेशन मास्टर उमाराम चौधरी बार-बार सफाई दे रहे थे, लेकिन डीआरएम उनसे संतुष्ट नहीं हुई।

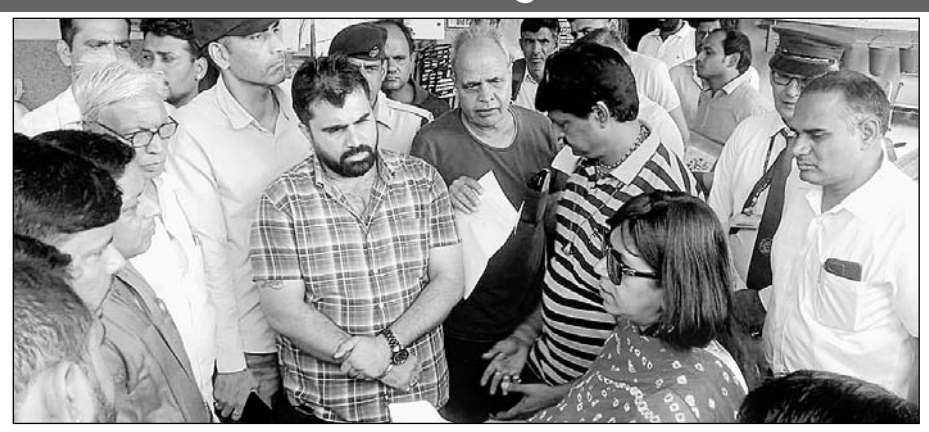

सुजानगढ़ रेलवे स्टेशन के निरीक्षण के दौरान डीआरएम को ज्ञापन सौंपते भाजपा कार्यकर्ता।

- शीघ्र ही होगा रेलवे स्टेशन का कायाकल्प, बनेगी नई बिल्डिंग, मिलेगी वेटिंग हॉल सहित आधुनिक सुविधाएं

डीआरएम ने बताया कि सुजानगढ रेलवे स्टेशन के पूर्ण कायाकल्प के लिए रेल मंत्रालय से स्वीकृति मिल चुकी है। जिसके तहत यहां पर शीघ्र ही नई बिल्डिंग और वेटिंग हॉल सहित अनेक आधुनिक सुविधाएं यात्रियों के लिए उपलब्ध होगी। भाजपा मण्डल अध्यक्ष पवन माहेश्वरी, उप नेता प्रतिपक्ष रिछपाल बिजारणिया, पार्षद पंकज घासोलिया, विजय चौहान, अरविन्द बोचीवाल, कमल डागा, दिग्विजय पाण्डे, हर्ष जालान, अनुराग अग्रवाल, संदीप पंवार आदि ने डीआरएम का गुलदस्ता भेंटकर स्वागत किया, जबकि संतोष बेडिया ने शॉल ओढाया। किराणा मर्चेण्ट एसोसियेशन के अध्यक्ष पवन माहेश्वरी के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में जोधपुर से गंगानगर वाया सुजानगढ होते हुए नई ट्रेन, मेडता रोड से बीकानेर वाया सुजानगढ होकर नई ट्रेन संचालित करने की मांग की गई है।

अग्रवाल मित्र मंडल संस्थान के हर्ष जालान ने ज्ञापन सौंपकर वोकल फोर लोकल को बढावा देने के लिए सुजानगढ रेलवे प्लेटफार्म पर स्थानीय उत्पादों की स्टॉल लगवाने की मांग की। उप नेता प्रतिपक्ष रिछपाल बिजारणिया के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपकर लाडनू रोड पर स्थित रेल फाटक संख्या सी 22 से सी 24 के मध्य आरयूबी निर्माण की मांग की। जिस पर डीआरएम ने कहा कि मेरे साथ आए एडीएन इस हेतु अलग से फिजिकल वेरीफिकेशन करेंगे। डीआरएम ने कहा कि इस हेतु जिले के सांसद से भी अनशंषा करवाई जा सकती है।

टक्कर से बैलगाड़ी पर सवार महिला की मौत

सादुलपुर, (निसं)। बैलगाडी पर सवार होकर खेत से आ रही हमीरवास थाने के गाँव नीमां निवासी एक महिला के वाहन चालक द्वारा तेजगति व लापरवाही से वाहन चलाने के लगी टक्कर के कारण मौत हो गई। जिसका हमीरवास थाने में प्रकरण दर्ज किया गया है। थानाधिकारी राधेश्याम ने बताया कि संदीप कुमार पुत्र लीलुराम मेघवाल निवासी नीमां ने पुलिस थाना हमीरवास में इस आरोप की रिपोर्ट पेश की है कि 21 सितम्बर की शाम को उसका चाचा भादरराम, उसकी चाची सीता देवी बच्चों सहित बैलगाडी लेकर खेत से घर आ रहे थे, जो अपनी सही दिशा में सडक से नीचे चल रहे थे। उसी दौरान पिछे से एक गाडी बेहद तेज स्पीड से आई तथा उक?त गाडी के चालक ने अपनी गाडी को तेज गति एवं लापरवाही से चलाकर सही दिशा में चल रही उसके चाचा-चाची की बैलगाडी को टक्कर मार दी। जिससे बैलगाडी भी टुट गई तथा उसके चाचा-चाची एवं बच्चों के भी गंभीर चोटें आई। घटना के बाद उसने अपनी चाची को राजगढ रैफरल अस्पताल में पहुँचाया, जहां डॉक्टरों ने उसकी चाची सीतादेवी 36 साल को मृत घोषित कर दिया। हमीरवास थाना पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ कर दिया है।

छात्रों ने एनसीसी चालू करवाने का ज्ञापन सौंपा

मांग को लेकर छात्रों ने महाविद्यालय प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा।

पाटन, (निसं)। राजकीय महाविद्यालय के छात्रों ने महाविद्यालय में एनसीसी चालू करवाने के संदर्भ में प्राचार्य को ज्ञापन देकर एनसीसी चालू करवाने की मांग की है।

छात्र नेता राजेंद्र सैनी के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि महाविद्यालय में विगत 3 वर्ष से एनसीसी नहीं होने की वजह से छात्र-छात्राओं को नीमकाथाना या कोटपूतली जाना पड रहा है, तथा छात्र छात्राओं को आने जाने में समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कॉलेज में एनसीसी नहीं होने की वजह से छात्रों को सरकारी लाभ का फायदा भी नहीं मिल रहा है, इसलिए जल्द से जल्द एनसीसी चालू करवाई जाए।

ज्ञापन देने वालों में छात्र नेता राजेंद्र सैनी, अध्यक्ष प्रत्याशी निकिता सैनी, अशोक यादव, अशोक सैनी, रिंकू सैनी धाधेंला, सुनील गुर्जर, नचिता गुर्जर, विक्रम सैनी, अंकित वर्मा, अंकित मीणा, पूनम कंवर, बंटी नट, लक्की जांगिड, अजीत कुमावत, अनूप वर्मा, अमित सैनी आदि छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

पोषण अभियान के अन्तर्गत हुआ कार्यशाला का आयोजन

बाल विकास परियोजना अधिकारी चूरू ग्रामीण की ओर से चल रहे पोषण अभियान के अन्तर्गत शुक्रवार को पंचम पोषण माह के तहत एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

चूरू, (कासं)। बाल विकास परियोजना अधिकारी चूरू ग्रामीण की ओर से चल रहे पोषण अभियान के अन्तर्गत शुक्रवार को पंचम पोषण माह के तहत एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विभिन्न प्रकार की रेसीपी का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही सीडीपीओ सीमा गहलोत ने बच्चों को अन्न-प्रासन्न व गोद भराई की रश्म अदा कराई। पोषण मेले में पोषण से संबंधित व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाकर महिलाओं को स्थानीय सामग्री से बनने वाले विभिन्न प्रकार के व्यंजनों एवं फल, सब्जी, अंकुरित अनाज से मिलने वाले पोषण व विटामिन के बारे में जानकारी दी गई।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये सीडीपीओ सीमा गहलोत ने कहा कि पौष्टिक आहार से मां और बच्चे दोनों के शारीरिक व मानसिक विकास में वृद्धि होती है। उन्होंने आंगनबाडी कार्यकर्ताओं से कहा कि वे पौष्टिक भोजन के लिये आमजन को प्रेरित करें। कार्यक्रम में 2021-2022 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर महिला पर्यवक्षक जयकौर, ज्योति वर्मा, शीतल बत्रा, सुदेश कंवर, अनिता, आंगनबाडी कार्यकर्ता सुषीला, प्रियंका, मोहनी, पार्वती, सुमित्रा, राजू प्रजापत, सुमित्रा देवी, सरस्वती कंवर, कृष्णा देवी, मन्जू कुमारी जाट व सीताराम गुर्जर को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कर्णपाल सिंह, नरेन्द्र महर्षि, हरिराम व करिश्मा ने सहयोगी भूमिका निभाई।

बालिका सुविधाओं का लोकार्पण किया

सुजानगढ़, (निसं)। राजकीय पी.सी.बी. अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में बालिका सुविधाओं का लोकार्पण किया गया। राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित सेवानिवृत शिक्षक चैनरूप दायमा की प्रेरणा से डेढ़ लाख रूपये की लागत से निर्मित बालिका सुविधाओं का लोकार्पण जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक निसार अहमद खान, सीबीईओ कुलदीप व्यास,

- डेढ़ लाख रुपये की लागत से निर्मित हुईं बालिका सुविधाएं

भामाशाह प्रेरक चैनरूप दायमा, शिक्षाविद् रेखाराम गोदारा ने किया। शिक्षा अधिकारियों ने भामाशाह के द्वारा बालिका शिक्षा में अमूल्य योगदान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए प्रेरक चैनरूप दायमा एवं रेखाराम गोदारा का अभिनन्दन किया गया। शिक्षक दिवस पर राज्य स्तर पर सम्मानित होने वाले शिक्षा अधिकारी निसार अहमद खान का शाला में अभिनन्दन किया गया। संस्था प्रधान धन्नाराम प्रजापत ने अतिथियों एवं भामाशाह प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। प्रेमप्रकाश, अशोक कुमार, जगदीश प्रसाद, शशि शर्मा, चंद्रकला, पूनम, रामकरण, अनवर खान, जितेंद्र प्रजापत, हुक्माराम ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन रामेश्वर खीचड ने किया।

एसडीएम की समझाइश के बाद शव लेने पर सहमति बनी

घटना के बाद परिजन शव लेने से इनकार करते हुए मांगों को लेकर अस्पताल परिसर में धरने पर बैठ गए।

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना कोतवाली थाना इलाके के रामलीला मैदान चौराहे पर करंट लगने से कुल्फी बेचने वाले मृतक अशोक की मौत का मामला गरमा गया। गुस्साए परिजनों ने शव लेने से इंकार करते हुए मांगों को लेकर अस्पताल परिसर में धरने पर बैठ गए थे।

- रामलीला मैदान में करंट लगने से युवक की मौत का मामला

मामले को लेकर तहसीलदार दिनेश शर्मा, बिजली विभाग एक्सईएन रामसिंह यादव सहित कोतवाल लक्ष्मीनारायण समझाइश की लेकिन मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन जारी रहा। देवसेना अध्यक्ष लालचंद गुर्जर ने बताया कि नगरपालिका व बिजली विभाग की लापरवाही से मृतक अशोक की मौत हुई हैं। हमारी प्रशासन से मांग है कि मृतक के परिजनों को 50 लाख मुआवजा दिया जाए।

बुजुर्ग माता पिता सहित बच्चों के पालन पोषण की जिम्मेदारी ली जाए। परिजनों में एक सरकारी नौकरी दी जाए, साथ ही दोषी प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई हो। घंटों बाद एसडीएम बृजेश गुप्ता मौके पर पहुंचकर धरना दे रहे लोगों से वार्ता कर चिरंजीवी दुर्घटना योजना का लाभ, पेंशन सहित सरकारी योजना का लाभ दिलाने को लेकर समझाइश की, जिसपर सहमति बनी। उसके बाद शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। इस दौरान जिला पार्षद सुमित नानगवास, सरपंच सुरेश खैरवा, गजानंद सैनी, विजय माली सहित कई लोग मौजूद रहे।

कायमखानी समाज की बैठक

सुजानगढ़, (निसं)। नूर नगर वेलफेयर सोसायटी द्वारा नूर नगर में कायमखानी समाज की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपस्थित लोगों ने समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने के लिए अपनी सहमति प्रदान की। पार्षद एडवोकेट सलीम खान गाजी ने बताया कि मृत्यु

- समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने का निर्णय

भोज, ओडावणी, डीजे जैसी कुरीतियों को दूर करने के लिए समाज के लोगों के साथ चर्चा की गई है। बैठक में सदर निजाम खां ने विचार प्रकट करते हुए समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने व शिक्षा को बढावा देने की बात कही। इस अवसर पर मनवर खां मोयल, पार्षद सिराज खां कायमखानी, अकबर खां, बाबू खां खीची, आसू खां, भंवरू खां, रोशन खां, राजा खान, उस्मान खान, अनवर खां, ईकबाल खां खीची, लाल खां, ईलाहीबक्श खां, सादुल खां, पार्षद प्रतिनिधि अमजद खां कायमखानी सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों ने हाथ उठाकर कुरीतियों को दूर करने के लिए प्रतिबद्धता जाहिर की।

चिकित्सा शिविर में सर्व समाज के 260 लोग लाभान्वित हुए

रतनगढ़, (निसं)। श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव के अंतर्गत शुक्रवार को रतनगढ नागरिक परिषद कोलकाता एवं अग्रवाल सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय चिकित्सा शिविर का आयोजन अग्रसेन भवन में हुआ।

- श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव के तहत एक दिवसीय शिविर

इटर्नल हॉस्पिटल के सौजन्य से लगे शिविर में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ कुशकुमार भगत, गुर्दा रोग विशेषज्ञ डॉ निशा गौड़, मस्तिष्क एवं तंत्रिका रोग विशेषज्ञ डॉ यशपालसिंह, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ मितेश वशिष्ठ, फिजिशियन सोमिल ने अपनी सेवाएं दी। अग्रसेन महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन से शुरू हुए चिकित्सा शिविर में सर्व समाज के 260 लोग लाभांवित हुए। शिविर का कांग्रेस नेता पूसाराम गोदारा एवं शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अरविंद चाकलान ने भी अवलोकन किया, जिस पर अग्रवाल समाज के द्वारा इनका अभिनंदन किया गया। परिषद के अशोक बाजोरिया व वासुदेव सांगानेरिया ने आगंतुकों का आभार प्रकट किया।

इस अवसर पर अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन जिलाध्यक्ष कैलाश चौधरी, अग्रवाल सेवा समिति अध्यक्ष श्यामसुंदर सराफ, महामंत्री मातेश्वरी अजीतसरिया, ओमप्रकाश चौधरी, विष्णु चौधरी, शंकर बजाज, नंदलाल पंसारी, आनंद चौधरी, रामरतन कंदोई, नरेश सराफ, बाबुलाल मुरारका, रामचंद्र कसेरा, प्रवीण चांदगोठिया, युवा अग्रवाल सम्मेलन के पारस सराफ, हर्षित लोहिया, धुव्र सरावगी, सुमित चौधरी, अमित चौधरी, जितेश जालान, प्रशांत सरावगी सहित समाज के काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

जमादारों के बीच सफाई प्रतियोगिता

सुजानगढ़, (निसं)। दीपावली के त्यौंहार नगरपरिषद द्वारा जमादारों के बीच सफाई प्रतियोगिता रखी गई है। आयुक्त कमलेश कुमार मीणा ने बताया कि दीपावली के पर्व को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य निरीक्षक ओमप्रकाश स्वामी व कार्यवाहक स्वास्थ्य निरीक्षक मुन्नालाल मीणा के देखरेख में वार्ड वाईज सफाई कर्मियों की टीम बनाई गई है। उपरोक्त टीम वार्ड वार सफाई कार्य करेगी। इस संबंध में आयुक्त मीणा ने बताया कि वार्ड वाईज सफाई कार्य का मूल्यांकन भी किया जायेगा। जिस टीम के हल्का जमादार का मूल्यांकन (कम्पीटिंशन) प्रथम स्तर पर रहेगा उसको 5100 रू. मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र, द्वितीय स्तर पर 2100 रू. मुमेन्टा व प्रशस्ति पत्र, तृतीय स्तर पर 1100 रू. मुमेन्टा व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जायेगा। प्रत्येक वार्ड में फोगिंग भी करवाया जायेगा।

दुकानदारों की आपसी कहासुनी में दो के सिर फूटे, तीन घायल

चिड़ावा, (निसं)। शहर के कबूतरखाना बस स्टैंड से मुख्य बाजार की ओर जाने वाले रास्ते पर राजकला कॉम्प्लेक्स के पास दुकानदारों के बीच आपसी कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। मारपीट इतनी बढ़ी कि दो दुकानदार बाप-बेटों के सिर फूट गए और एक स्टाफ को भी चोट आई है।

मिली जानकारी के अनुसार किशोरीलाल बसावतिया और सुभाष सोनी की आमने सामने दुकाने है। किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई और फिर मारपीट तक बात जा पहुंची। इसमें किशोरीलाल से मारपीट की गई तो फिर उसे छुड़ाने उसका लडका शिव शर्मा और स्टाफ प्रदीप आया। लेकिन इन दोनों की भी पिटाई हुई और किशोरीलाल और शिव शर्मा के सिर फूट गए वहीं हाथों में भी फ्रेक्चर हो गए। वहीं स्टाफ सदस्य प्रदीप के सिर और पैर में चोट आई है। घायलों को सरकारी अस्पताल लाया गया।

अस्पताल में भर्ती घायल दुकानदार का इलाज किया गया।

यहां पर तुरंत प्राथमिक उपचार दिया गया। इसके बाद डॉ. जेपी धायल और नरेंद्र तेतरवाल ने टांके लगाकर और पट्टी बांधकर उपचार किया।

इसके बाद सभी को एडमिट कर लिया। फिलहाल इलाज किया जा रहा है। इस संदर्भ में दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने दोनों के बयान दर्ज किए है और जांच की जा रही है।

जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया

चूरू, (कासं)। राजीव गांधी युवा मित्र इन्टर्नशिप कार्यक्रम के तहत जिले में कार्यरत राजीव गांधी युवा मित्रों की एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला व समीक्षा बैठक का आयोजन आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग चूरू द्वारा शुक्रवार को किया गया।

- राजीव गांधी युवा मित्र इन्टर्नशिप कार्यक्रम

मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरी राम चौहान ने इस मौके पर कहा कि राजीव गांधी युवामित्र एक इन्टर्नशिप कार्यक्रम है जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजानाओं की जानकारी व लाभ आमजन तक पहुंचाना है। जिसमें राजीव गांधी युवामित्रों की महत्त्वपूर्ण भूमिका रहेगी। राजस्थान साहित्य अकादमी के अध्यक्ष दुलाराम सहारण ने राजीव गांधी युवामित्रों को सेवा भावना से कार्य करने पर जोर दिया। ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी हरीश शर्मा ने राजस्थान सरकार द्वारा संचालित पालनहार योजना, मुख्यमंत्री राजश्री योजना, इंदिरा गांधी शहरी क्रेडिट कार्ड योजना, शुद्ध के लिए युद्ध व अन्य विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं के बारे में बताया व मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थय बीमा योजना में जिले में शत.प्रतिशत पंजीयन के लिए आमजन को प्रेरित करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने इस योजना के अन्तर्गत मिलने वाले 5 लाख तक के दुर्घटना बीमा लाभ के बारे में आमजन को जागरूक करने के लिए भी कहा। ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी अजय कुमार तंवर ने जिले में शत.प्रतिशत जन आधार नामांकन हेतु वंचित परिवारों/सदस्यों का नामांकन करवाने हेतु आमजन को प्रेरित करने के निर्देश दिये।

लम्पी बीमारी को लेकर पंचायत समिति सदस्यों और सरपंचों ने चिंता जताई

चिड़ावा, (निसं)। पंचायत समिति की साधारण सभा की बैठक शुक्रवार को पंचायत समिति सभागार में प्रधान इंद्रा डूडी की अध्यक्षता में हुई।

बैठक में गौवंश में फैल रही लम्पी बीमारी को लेकर सभी ने चिंता जताई और इसके नियंत्रण को लेकर आवश्यकता जताई। वहीं दुधारू पशुओं के मरने से आर्थिक संकट झेल रहे पशुपालकों की आर्थिक मदद की मांग भी रखी। जिस पर पशु चिकित्सा अधिकारी राजेश सिंगला ने बताया कि फिलहाल इसे लेकर कोई दवा नहीं आई है लेकिन बुखार की दवा, एंटीबाइटिक दवा, खांसी और जुकाम की दवा इसमें चिकित्सकीय सलाह पर दे कर पशुओं का इलाज किया जा रहा है। वहीं इसको लेकर किसी प्रकार की सहायता का भी अब तक सरकार ने कोई प्रावधान नहीं किया है। वहीं पीएचईडी विभाग के कार्यों की बात आई तो नाराज सरपंचों, पंचायत समिति सदस्यों ने ठेकेदारों पर काम नहीं करने और पीडब्ल्यूडी के रुपयों से आए सामान को बाजार में बेचने और पुरानी मोटर उनकी जगह लगाने का आरोप लगाया। इस दौरान प्रधान में जलदाय विभाग के कार्यालय में आने वाले सामान की लिस्ट अगली मीटिंग में लेकर आने के निर्देश दिए। बैठक में पीडब्ल्यूडी, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा, राजस्व आदि विभागों से जुड़े मुद्दों को भी जनप्रतिनिधियों ने उठाया।

पंचायत समिति सभागार में पंचायत समिति की साधारण सभा की बैठक आयोजित हुई।

- पंचायत समिति की साधारण सभा की बैठक में पीएचईडी के ठेकेदारों पर गंभीर आरोप लगे

बैठक में तहसीलदार मांगीराम पूनिया, बीसीएमओ अनिल लाम्बा, बिजली विभाग के एक्स ई एन अशोक चौधरी, सीडीपीओ डॉ. प्रभा लाम्बा, सीबीईओ कैलाश शर्मा, उप कोषाधिकारी कमलेश कुमार मिश्रा, ए ई एन नाजिम जांगिड़ बगड, चिड़ावा ए ई एन केके डिठावाल, ब्लॉक सामाजिक सुरक्षा अधिकारी ममता पूनिया, एईएन सुरेंद्र सिंह, पीएचईडी जेईएन निरमा व निशा, कृषि विभाग एएओ मनोज कुमार, जिप सदस्य नरेंद्र लमोरिया, पं. स सदस्य अनिल रणवा, भरत सिंह, रामावतार गुरावा, ख्यालीराम सैनी, रोहिताश्व धांगड़, प्रकाशवती कटेवा, बनारसी देवी, सरपंच अनिल कटेवा, संजय सैनी, गीता देवी, चरण सिंह चनाना, महावीर सिंह खुडाना, निर्मला देवी, कृष्णा कन्वर, अमर सिंह, उम्मेद सिंह, वेद कौर आदि मौजूद रहे।

मधुर स्पेशल शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान में विश्व सांकेतिक भाषा दिवस मनाया

कार्यक्रम में विद्यालय के दिव्यांग छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी।

चूरू, (कासं)। शुक्रवार को मधुर स्पेशल शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान में विश्व सांकेतिक भाषा दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपखंड अधिकारी सत्यनारायण सुथार थे। कार्यक्रम में संस्थान की छात्राओं ने स्वागत गीत की प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर एसडीएम सत्यनारायण सुथार ने कहा कि ईश्वर ने जरूर इन बच्चों को बोलने व सुनने की शक्ति नहीं दी, बल्कि इस संस्थान के माध्यम से इन्हें सांकेतिक भाषा का ज्ञान कराके इन्हें समाज की मुख्य धारा में लाने का प्रयास बहुत ही सराहनीय कदम है। कार्यक्रम में विद्यालय के दिव्यांग छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। इससे पूर्व विद्यार्थियों व विद्यालय स्टॉफ ने अतिथियों का मार्ल्यापण कर स्वागत किया।

इस अवसर पर समाजसेवी लक्ष्मणराम महला व डॉ. अनु जोशी ने भी विचार व्यक्त किये। इस दौरान एसडीएम सत्यनारायण सुथार ने संस्थान का निरीक्षण भी किया। मधुर स्पेशल शिक्षण संस्थान की संचालिका अंजू नेहरा व गिरधारीलाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

ऑस्ट्रेलिया में एक कैदी, विलियम बकली जेल से भागा और उसके बाद उसने अपना लगभग सारा जीवन समुद्र के किनारे एक गुफा में बिताया। जेल से भागने और उसके बाद ज़िंदा रहने की उसकी कहानी रोचक है। बकली पर, जानते बूझते चोरी के कपड़े का थान लेने का आरोप था। हालांकि उसका कहना था कि, वह तो केवल एक महिला के लिए कपड़ा ले जा रहा था, उसे नहीं पता था कि वो चोरी का है। फिर भी उसे 14 साल कैद की सजा दी गई और जेल भेज दिया गया। एच.एम.एस. कैलकटा जहाज से उसे सलिवन्स खाड़ी में सोरैन्टो कॉलोनी ले जाया गया। सन् 1803 में जब उसे पता चला कि उसे टैस्मेनिया भेजा जाएगा तो वह जेल से भाग निकला और स्थानीय वादरॉंग समुदाय के साथ रहने लगा। कहा जाता है कि इस दौरान वो एक गुफा में ही रहा। आज इस गुफा को बकली'ज़ केव (बकली की गुफा) कहते हैं। बत्तीस साल बाद बकली बैलारीन प्रायद्वीप के सेंट लिओनार्ड्स के पास जॉन बैटमैन के शिविर में आया। उसके शरीर पर उसके नाम के पहले अक्षर, ''डब्ल्यु.बी.'' गुदे हुए थे जिससे पुष्टि हुई कि वो विलियम बकली है जो 1803 में जेल से भाग गया था और जिसे मृत मान लिया गया था। बैटमैन ने अपना कैम्प सेंट लियोनार्ड्स से मैलबर्न शिफ्ट कर लिया। बकली को भी बाद में माफी मिल गई। उसने दो साल तक श्वोतों और स्थानीय अबॉरिजिनल्स (मूल निवासियों) के बीच मध्यस्थता का काम किया। पर उसकी निष्टा बंटी हुई थी और दोनों ही पक्ष उस पर भरोसा नहीं करते थे। यहां से मोहभंग होने के बाद वह टैस्मैनिया चला गया। जहां उसने नौकरी की और शादी की। सन् 186 में 76 वर्ष की आयु में उसकी मौत हो गई। बकली के फरार होने की कहानी आज भी ऑस्ट्रेलिया में सुनी -सुनाई जाती है और इसके आधार पर एक कहावत भी है, ''बकली'ज़ चांस''।

'सत्तर के दशक जैसी बड़ी मंदी एक बार फिर आयेगी'

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री नूरील रूबीनी ने 2023 में आर्थिक मंदी की आशंका जाहिर की

- **नूरील रूबीनी ने ही सबसे पहले कड़े शब्दों में 2008 की मंदी की आशंका जहिर की थी।**
- **नूरील रूबीनी का मानना है कि, अमेरिका और वैश्विक स्तर पर मंदी की शुरुआत इस साल के अंत में होगी, जो 2023 के आखिर तक चल सकती है। यह एक लंबा वक्त होगा, इस दौरान दुनियाभर में इकॉनमी तबाही के मंजर देखे जाएंगे।**
- **नूरील रूबीनी का मानना है कि, बड़े पैमाने पर ऋण संकट देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा कि, यह एक छोटी मंदी नहीं होने वाली है। यह गंभीर और लंबे समय तक चलने वाली मंदी होगी।**

वॉशिंगटन, 23 सितम्बर। अमेरिका समेत दुनिया भर में मंदी का सबसे लंबा और बुरा दौर आने वाला है। ये आशंका अर्थशास्त्री नूरील रूबिनी को है। ये वही अर्थशास्त्री हैं, जिन्होंने साल 2008 के आर्थिक संकट की सही भविष्यवाणी की थी। इस मंदी के बाद दुनिया भर के शेयर बाजार क्रैश हो गए थे और बड़े पैमाने पर नौकरियां जाने लगी थीं। अब एक बार फिर नूरील रूबिनी ने मंदी की आहट पहचान ली है।

नूरील रूबिनी का मानना है कि अमेरिका और वैश्विक स्तर पर मंदी की शुरुआत इस साल के अंत में होगी, जो 2023 के आखिर तक चल सकती है। यह एक लंबा वक्त होगा, इस दौरान दुनियाभर की इकोनॉमी तबाही के मंजर देख सकती है।

महंगाई को कंट्रोल करने के लिए अमेरिकी सेंट्रल बैंक फेड रिजर्व की ओर से लगातार ब्याज दरें बढ़ाई जा रही हैं। इस पर नूरील रूबिनी ने कहा कि ऐसा लगता है फेड रिजर्व के बाद दूसरा कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि, बिना हार्ड लैण्डिंग के 20 मुद्रास्फीति दर प्राप्त करना फेडरल रिजर्व के लिए मिशन इम्पॉसिबल लगता है। रूबिनी को उम्मीद है कि, फेड रिजर्व नवंबर और दिसंबर में लगातार ब्याज दरों में 50 बेसिस प्वाइंट तक की बढ़ोतरी करने वाला है। रूबिनी को आशंका है कि कई जोंबी संस्थान, बैंक, कॉरपोरेट, शैडो बैंकों का वजूद खत्म हो सकता है।

उन्होंने कहा कि दुनिया मंदी की चपेट में है तो सरकारों से राजकोषीय प्रोत्साहन उपायों की उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकारें पहले से ही अधिक कर्ज में चल रही हैं। रूबिनी इस संकट को 1970 के दशक के हालात की तरह देखते हैं। उनका मानना है कि बड़े पैमाने पर ऋण संकट देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा कि यह एक छोटी मंदी नहीं होने वाली है। यह गंभीर और लंबे समय तक चलने वाली मंदी होगी।

निवेशकों के लिए सलाह रूबिनी ने निवेशकों को भी सलाह दी है। उन्होंने कहा कि आपको इक्विटी पर अब ढील देने की जरूरत है।

आपके पास अधिक नकदी होनी चाहिए। वह लंबी अवधि के बॉन्ड से दूर रहने और शॉर्ट टर्म ट्रेजरी जैसे इन्फ्लेशन इंडेक्स बॉन्ड में निवेश की सलाह दे रहे हैं। बता दें कि नूरील रूबिनी ने 2007-2008 में आर्थिक मंदी को लेकर सटीक भविष्यवाणी की थी। इस वजह से उन्हें डॉक्टर डूम का नाम दिया गया था।

सचिन पायलट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुके हैं कि आने वाले दिनों में राजस्थान की कमान किसके हाथ में होगी। ऐसे में सभी विधायकों के राजनीतिक स्वर बदलने लगे हैं, जिनमें अशोक गहलोत के कट्टर समर्थक बाबूलाल नागर भी शामिल हैं, जिन्होंने शुक्रवार को स्पष्ट रूप से कहा कि वह तो खुद राजेश पायलट के कट्टर समर्थक रहे हैं। ऐसे में संकेतों से समझा जा सकता है कि कांग्रेस आलाकमान का इशारा किस ओर है।

दूसरी ओर जयपुर पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों को सरकारी निवास 8 सिविल लाइन पर बुलाया। इस दौरान बहुत से मंत्री मुख्यमंत्री से मुलाकात करने गए, लेकिन बताया जाता है कि 7 - 8 मंत्री मुख्यमंत्री निवास नहीं पहुंचे। वहीं कुछ मंत्री सचिन पायलट से मिलने उनके सरकारी निवास भी पहुंचे। ऐसे में राजस्थान के तमाम राजनीतिक समीकरण बदलते दिख रहे हैं, जिसमें कि मंत्री और विधायकों का रुख भी बदलता नजर आ रहा है और वह अब बजाए और कहीं जाने की सीधे सचिन पायलट से मिलने उनके निवास पर पहुंच रहे हैं। वही बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी पहले जहां कोच्चि में राहुल गांधी से मुलाकात करने के बाद में दिल्ली जाकर सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और राहुल गांधी से एक साथ मुलाकात करने वाले थे, लेकिन भारत जोड़ो यात्रा में 1 दिन के विश्राम के दौरान राहुल गांधी के दिल्ली आने का कार्यक्रम निरस्त हो गया। ऐसे में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी दिल्ली जाने के बजाए शिर्डी में साईं बाबा के दर्शन करने के बाद में सीधे जयपुर लौट आए। यहां आकर गहलोत ने अपने मंत्रिमंडल के कई सदस्यों से मुलाकात की है।

सौम्या गुर्जर को सुप्रीम कोर्ट से दो दिन की राहत

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से कहा है कि, न्यायिक रिपोर्ट के आधार पर दो दिन बाद कार्यवाही की जा सकती है

- **सुप्रीम कोर्ट ने ग्रेटर नगर निगम के तत्कालीन कमिश्नर यज्ञमित्र सिंह देव के साथ मारपीट व अभद्रता के मामले में ये निर्देश दिए हैं।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने एक फरवरी 2022 को आदेश जारी कर न्यायिक जांच की रिपोर्ट आने तक निलम्बन की कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी।**

जयपुर, 23 सितंबर (का.सं.)। सुप्रीम कोर्ट ने नगर निगम ग्रेटर के तत्कालीन कमिश्नर यज्ञ मित्र सिंह देव के साथ अभद्रता और मारपीट से जुड़े मामले में ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर को 2 दिन की राहत दी है। अदालत ने राज्य सरकार को कहा है कि, वो न्यायिक जाँच की रिपोर्ट के आधार पर 2 दिन बाद सौम्या गुर्जर के खिलाफ कार्रवाई करने को स्वतंत्र है।

जस्टिस अजय ओक और जस्टिस संजय किशन कौल की खंडपीठ ने यह आदेश सौम्या गुर्जर की विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। राज्य सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि, न्यायिक जांच रिपोर्ट में सौम्या गुर्जर को दोषी मान लिया गया है। ऐसे में स्पैशल लीव पैटिशन (एस.एल.पी.) को खारिज किया जाए।

गौरतलब है कि, सुप्रीम कोर्ट ने एक फरवरी 2022 को आदेश जारी कर, न्यायिक जांच कार्रवाई का नतीजा आने तक सौम्या गुर्जर के निलंबन आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट के इस अंतरिम आदेश के बाद सौम्या ने वापस मेयर का पद संभाला था। दस अगस्त को न्यायिक जांच में, ग्रेटर नगर निगम के तत्कालीन कमिश्नर, यज्ञिमत्र सिंह देव के साथ मारपीट व अभद्रता, मामले की न्यायिक जांच में ग्रेटर मेयर सौम्या गुर्जर व तीन पार्षदों, अजय सिंह चौहान, शंकर शर्मा व पारस जैन को नगर पालिका अधिनियम की धारा 39(1) (डी) सहित अन्य प्रावधानों के तहत, दुराचरण, कर्तव्यों के पालन में लापरवाही बरतने व अभद्र भाषा के आरोप में दोषी माना गया था। इसके बाद राज्य सरकार ने जांच रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश की थी।

श्रीगंगानगर, नागौर और अलवर जिला क्रिकेट संघों को राहत

सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट आदेश रद्द कर दिया और आर.सी.ए. के चुनावों पर रोक लगाने से इंकार कर दिया

- **सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद आर.सी.ए. ने तीनों जिला क्रिकेट संघों की संबद्धता बहाल कर दी और अब तीनों जिला संघ आर.सी.ए. की आगामी ए.जी.एम. में शामिल होंगे।**

जयपुर, 23 सितंबर। सुप्रीम कोर्ट ने श्रीगंगानगर, नागौर और अलवर जिला क्रिकेट संघों को संबद्धता मामले में राहत प्रदान की है। सुप्रीम कोर्ट आदेश के बाद इन तीनों जिला क्रिकेट संघों की संबद्धता को राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आर.सी.ए.) ने न केवल बहाल कर दिया है, बल्कि आर.सी.ए. की आगामी एजीएम में भी तीनों संघ हिस्सा लेंगे। वहीं इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की खंडपीठ के आदेश को रद्द करते हुए मामले को एकलपीठ के पास सुनवाई के लिए भेज दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने एकलपीठ को कहा है कि वह जल्द से जल्द मामले की सुनवाई पूरी करे। वहीं अदालत ने आर.सी.ए. के चुनावों पर भी रोक लगाने से इनकार कर दिया है।

सुनवाई के दौरान श्रीगंगानगर व अन्य जिला क्रिकेट संघ ने प्रार्थना पत्र पेश कर कहा कि आर.सी.ए. के चुनाव होने वाले हैं और इसकी आपत्ति लोकपाल के समक्ष होती है, लेकिन लोकपाल हाईकोर्ट के रिटायर जज हैं। जबकि नियमानुसार सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जज या हाईकोर्ट के रिटायर्ड मुख्य न्यायाधीश ही लोकपाल नियुक्त हो सकते हैं। ऐसे में मौजूदा लोकपाल की नियुक्ति गलत है तो फिर आपत्ति किसके समक्ष पेश करें।

इसलिए आर.सी.ए. के चुनाव पर रोक लगाई जाए। जवाब में आर.सी.ए. ने कहा कि उन्होंने तीनों जिला क्रिकेट संघों को पहले से ही नोटिस भेजकर एजीएम के लिए आमंत्रित कर रखा है और उनकी संबद्धता को भी बहाल कर दिया है। ऐसे में अदालत द्वारा आर.सी.ए. के चुनावों पर रोक नहीं लगाई जाए। इस पर क्रिकेट संघों की ओर से लोकपाल की नियुक्ति गलत होने व मौजूदा लोकपाल को हटाने के लिए कहा, लेकिन अदालत ने कहा कि यह मुद्दा हाईकोर्ट में लंबित है और इसमें वे दखल नहीं देना चाहते। गौरतलब है कि आर.सी.ए. ने पिछले दिनों श्रीगंगानगर, नागौर और अलवर जिला क्रिकेट संघों की संबद्धता को निरस्त कर दिया था।

इसे हाईकोर्ट में चुनौती देने पर एकलपीठ ने नागौर व श्रीगंगानगर क्रिकेट संघ की संबद्धता रद्द करने पर रोक लगा दी थी, लेकिन खंडपीठ ने लोकपाल को इस मामले में निर्णय लेने की छूट दे दी थी। खंडपीठ के आदेश को जिला क्रिकेट संघों ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

ब्रिटेन और भारत में फ्री ट्रेड एग्रिमैंट डील क्यों फाइनल नहीं हो पा रही?

- **इस डील के मामले में दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर की पाँच दौर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन अभी तक क्रियान्विति नहीं हो पाई है।**

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने ब्रिटेन की यात्रा कर सकते हैं। इस दौरान द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता (एफ.टी.ए.) पर हस्ताक्षर होने के आसार हैं। दोनों देशों के बीच फ्री ट्रेड एग्रिमैंट (एफ.टी.ए.) को लेकर पांच दौर की बातचीत हो चुकी है। ज्यादातर बातों पर सहमित बन गई है और बचे हुए कुछ मामलों को जल्द ही सुलझा लिया जाएगा। माना जा रहा है कि दिवाली तक सहमति अपने अंतिम चरण में होगी, जो कि 24 अक्टूबर को सेलिब्रेट की जानी है।

मामले के जानकार एक अधिकारी ने बताया, भारत और ब्रिटेन को विश्वास है कि दिवाली से एफ.टी.ए. पर सहमति बन जाएगी। दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की उपस्थिति में व्यापार मंत्रियों की ओर से इस पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। पी.एम. मोदी के ब्रिटेन दौरे की जानकारी अक्टूबर के पहले हफ्ते में सार्वजनिक की जा सकती है। यह यात्रा दिवाली के आसपास ही होने के आसार हैं। हालांकि, इसे लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

भारत में ब्रिटेन के उच्चायुक्त एलेक्स एलिस ने हाल ही में कहा था कि दिवाली का त्योहार मनाने का सबसे अच्छा तरीका एफ.टी.ए. को पूरा करना होगा। उन्होंने कहा, दोनों देशों के बीच एफ.टी.ए. समझौता होने से न सिर्फ आर्थिक वृद्धि को रफ्तार मिलेगी, बल्कि रोजगार के भी नए अवसर पैदा होंगे।

इस व्यापार समझौते पर दिवाली के त्योहार तक हस्ताक्षर हो जाने की काफी उम्मीद है। भारत और ब्रिटेन ने इस समझौते को दिवाली तक पूरा करने की जो समय सीमा तय की हुई है, वह एक शुभ तिथि साबित होगी।

उद्योग व वाणिज्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव राजेंद्र रत्नू ने कहा कि दोनों ही देशों के नेता इस व्यापार समझौते को लेकर दृढ़प्रतिज्ञ हैं।

इस समझौते से कपड़ा, चमड़ा, आभूषण व प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद जैसे श्रम-बाहुल्य क्षेत्रों में भारत के निर्यात को काफी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। मालूम हो कि मुक्त व्यापार समझौते से दोनों देशों के बीच अधिकांश उत्पादों और सेवाओं का व्यापार लगभग नि:शुल्क हो जाएगा। इससे द्विपक्षीय व्यापार को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

गहलोत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के लिए वह जल्दी ही अपना नामांकन पत्र भरेंगे, लेकिन इसके लिए उन्हें मुख्यमंत्री पद से पहले इस्तीफा देने की जरुरत नहीं है क्योंकि राहुल गांधी द्वारा उदयपुर संकल्प में व्यक्त किया गया ''एक व्यक्ति एक पद'' का सिद्धांत चुनाव जीतने के बाद ही अस्तित्व में आता है।

गहलोत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि गांधी परिवार उनके प्रमुख प्रतिद्वंद्वी सचिन पायलट को मुख्यमंत्री के रुप में नहीं थोप सकता क्योंकि अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए शनिवार से जैसे ही नामांकन भरना शुरु होगा कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी के द्वारा अपनी पावर का इस्तेमाल करना बंद हो जाएगा और यह निर्णय उनका स्थान लेने वाले अगले कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा ही लिया जाएगा।

उन्होंने यह भी संकेत दिए कि पार्टी के नए अध्यक्ष के रुप में वह राजस्थान कांग्रेस के विधायकों को ही यह निर्णय लेने देंगे कि वे किस नेता को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं और यदि विधायक पार्टी अध्यक्ष के नाते उन्हें यह अधिकार देते हैं कि वे किसी को मनोनीत करें तो इसके लिए किसी को मनोनीत कर देंगे क्योंकि यह कांग्रेस की बरसों पुरानी परम्परा रही है।

रूस के नागरिकों में देश छोड़ने की अफरातफरी मची

रूस के लोग कह रहे हैं कि, हमें बेवजह के युद्ध में क्यों धकेला जा रहा है

मॉस्को, 23 सितंबर (वार्ता)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के यूक्रेन में लड़ने के लिए रूस से सैनिकों की आंशिक लामबंदी की घोषणा किये जाने के बाद से घबराये नागरिकों के देश छोड़कर जाने की होड़ सी लग गयी है।

बीबीसी की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी। दूसरी ओर क्रेमिलन ने उम्रदराज लोगों के लड़ाई में भेजे जाने के डर से देश छोड़कर भागने की रिपोर्टों को अतिश्योक्तिपूर्ण बताया है, लेकिन जॉर्जिया की सीमा पर वाहनों की लंबी कतारें देखी जा सकती हैं जिसमें जंग से बचकर भागने की कोशिश कर रहे लोग शामिल हैं। कुछ लोग तो सीमा पर वाहनों की लंबी कतारों से बचने और पैदल ही सीमा पार करने पर लगी पाबंदी को देखते हुए साइकिलों पर ही सवार होकर सीमा पार करने की कोशिश में लगे हैं।

ऐसे ही एक व्यक्ति ने बीबीसी को नाम का खुलासा नहीं करने की शर्त पर बताया कि वह गुरूवार सुबह नौ बजे से सीमा पार करने के इंतजार में था और देर रात वह सीमा पार करने में कामयाब भी रहा। एक अन्य व्यक्ति ने भी बताया कि उसने सीमा पार करने के लिए 12 घंटे का इंतजार किया।

प्रणय सुप्रीम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिक्योरिटीज़ एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (एस.ई.बी.आई.) को यह सूचना दे दी है कि वे एस.ए.टी. के 20 जुलाई के आदेश के खिलाफ, सर्वोच्च न्यायालय में सिविल अपील दायर कर रहे हैं।

वस्तुत: एस.ए.टी. ने सेबी द्वारा किये गये 25 करोड़ रू. के जुर्माने को कम करके 5 करोड़ रू. कर दिया था।

रॉय दम्पति, जिन्होंने कुल मिलाकर 2000 करोड़ रू. का क्लेम किया है, उस समय से संकट में हैं, जब से उद्योगपति गौतम अडानी के अडानी ग्रुप ने एन.डी.टी.वी. के शत्रुतापूर्ण अधिग्रहण के लिए बोली लगाई हैं। अडानी ग्रुप ने एन.डी.टी.वी. के शेयर हासिल कर लिये हैं तथा 26 प्रतिशत शेयर खरीदने की खुली पेशकश की घोषणा कर दी है।

उद्धव ठाकरे की बॉम्बे हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शिवसेना के एकनाथ शिंदे गुट को तगड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने शिंदे गुट के इस अनुरोध को खारिज कर दिया कि वह याचिका पर तब तक कोई निर्णय ना करे जब तक कि पार्टी पर दावे के विवाद का निस्तारण नहीं हो जाता।

शिंदे गुट के दादर विधायक सदा सरवंकर ने तर्क दिया था कि ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के याचिकाकर्ता इस याचिका के बहाने पार्टी पर दावा करने की कोशिश कर रहे हैं।

ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने यह कहते हुए निर्णय का स्वागत किया कि न्यायपालिका में उसकी आस्था सही साबित हुई है। पार्टी प्रवक्ता मनीष कायान्दे ने कहा कि इस वर्ष की रैली भव्य होगी।

उन्होंने दावे से कहा कि ब्रहन्मुम्बई म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन (बी.एम.सी.) पर कुछ दबाव रहा होगा, जिसने अनुमति देने से इन्कार कर दिया था।

सेना के सचिव विनायक राउत ने कहा, ''न्यायपालिका में हमारा भरोसा पुख्ता एवं प्रमाणित हो गया है। पिछले कई सीलों से, दशहरा रैली ''शिव तीर्थ'' (सेना शिवाजी पार्क को इसी नाम से पुकाराती है) पर होती आ रही है लेकिन इस बार शिंदे गुट तथा भाजपा के जरिये इसमें रोड़े अटकाने की कोशिश की गई। लेकिन, अदालत ने इसे खारिज कर दिया।'' शिवसेना 1966 से ही हर साल दशहरा पर रैली आयोजित करती आ रही है। इस साल यह आयोजन इसलिये ज्यादा महत्वपूर्ण है क्योंकि सेना अब दो हिस्सों में बंट गई है तथा इसके अलावा, 2020 एवं 2021 में कोविड महामारी के कारण रैली नहीं हो पाई थी।

उद्धव ठाकरे ने अगस्त में शिंदे पर यह कहते हुये कटाक्ष किया था कि पार्टी को पूरा भरोसा नहीं है कि उसे इस आयोजन की अनुमति मिल जायेगी। ठाकरे ने यहां तक भी कह दिया था कि चाहे जो भी हो, वे शिवाजी पार्क में दशहरा रैली करेंगे।

शिवसेना की दशहरा रैली मुम्बई के शिवाजी पार्क में होगी। पूरे राज्य के शिव सैनिक इस रैली में पहुंचेंगे। ठाकरे ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुये कहा था, ''हम इन तकनीकी चीजों में नहीं जाते कि सरकार इसकी अनुमति देगी या नहीं। हम रैली जरुर आयोजित करेंगे। हमें इस चीज से कोई फर्क नहीं पड़ता कि अन्य लोग रैलियों का आयोजन करेंगे या नहीं। शिवसेना विश्वासघातियों के दम पर आगे नहीं बढ़ी, शिव सैनिकों के रक्त से आगे बढ़ी है।'' उम्मीद की जा रही है कि 5 अक्टूबर को होने वाली रैली में, वे महाराष्ट्र के विकास को लेकर लम्बा-चौड़ा भाषण देंगे।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शिंदे के नेतृत्व वाले विरोधी खेमे को बान्द्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स ग्राउंड में रैली के लिये अनुमति मिल चुकी है। एक धीर गंभीर राजनैतिक पर्यवेक्षक ने कहा कि उच्च न्यायालय की अनुमति ठाकरे के नेतृत्व वाली सेना के इस दावे को और मजबूत करेगी, कि वह बाला साहेब ठाकरे द्वारा स्थापित राजनैतिक दल के वारिस हैं तथा उस पार्टी के परम्परागत अनुयायियों में निष्ठा पैदा करेगी, जो पार्टी देश की वित्तीय राजधानी में एक बड़ा राजनैतिक घटक रही है।

गहलोत तब ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपेक्षाकृत युवा एवं ज्यादा गतिशील नेतृत्व लाना ही होगा, लेकिन काम में गहलोत एक बड़ा अवरोध सिद्ध हुये हैं। सूत्रों का कहना है कि वे अन्त तक सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनने से रोकने की कोशिश करेंगे, लेकिन इस बार गहलोत का सामना राहुल गांधी के उस उनम्य संकल्प से है तथा राहुल अब गहलोत की किसी भी बकवास को बर्दाश्त करने के मूड़ में दिखाई नहीं दे रहे।

नविका...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जस्टिस कृष्ण मुरारी की बैंच ने नविका कुमार को गत 8 अगस्त को दिया गया प्रोटेक्शन भी बढ़ा दिया। बैंच ने व्यवस्था दी कि उनके खिलाफ आठ हफ्तों तक कोई प्रतिरोधी कार्रवाई नहीं की जाएगी, ताकि वे इस अंतरिम अवधि के दौरान कोई विधिक उपचार कर सकें।

बैंच ने उन्हें यह छूट भी दी कि वह मुख्य एफ.आई.आर. को खारिज करवाने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट में अपील कर सकती हैं। दिल्ली पुलिस की इन्टैलीजेंस फ्यूजन एण्ड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशन्स (आई.एफ.एस.ओ.) यूनिट इस मामले की जांच करेगी।

अपने खिलाफ शुरू की गई कार्यवाहियों को रद्द करवाने के लिए नविका कुमार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस पर कोर्ट ने उन्हें गिरफ्तारी से छूट प्रदान कर एक अंतरिम आदेश देते हुए केन्द्र सरकार, पश्चिम बंगाल सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों को नोटिस जारी किए थे।

नविका कुमार के टी.वी. शो की एक डिबेट के दौरान पैगम्बर मोहम्मद पर नूपुर शर्मा की टिप्पणियों का देशभर में विरोध हुआ था और कई खाड़ी देशों ने भी इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी।

वो दिन गये जब

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ऐसे दौर में, जब जुबान फिसलने को भी पकड़ लिया जाता हो, तो सोचिये कि उस समय क्या हो सकता है, जब बहुत बड़े सार्वजनिक पद पर बैठा कोई व्यक्ति ऐसी टिप्पणियाँ करते हुये देख लिया जाये। जैसाकि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के साथ हुआ। नड्डा की इस टिप्पणी, कि मदुरै एम्स का 95 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, को लेकर उन पर चारों तरफ से हमले होने लगे हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने गुरुवार मदुरै में उद्योगपतियों की एक मीटिंग में बोलते हुये, यह दावा कर दिया कि मदुरै एम्स का निर्माण कार्य 95 प्रतिशत पूरा हो चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि इस एम्स के लिये एम.बी.बी.एस. की सीटें बढ़ाकर 250 कर दी गई है, जब पूर्व स्वीकृत सीटें केवल 100 थीं।

जब यह बयान तथ्य-जाँचकर्ताओं की जानकारी में आया तो वे तुरन्त उस स्थान पर पहुँचे, जहाँ एम्स की बिल्डिंग बन रही थी। शुक्रवार को, पड़ोस की ही विरुधुनगर सीट के कांग्रेस सांसद एम.बी. मणिक्कम टैगोर तथा मदुरै सांसद वैंकटेशम (सी.पी.एम.) ने जब संबंधित स्थल पर एम्स का भवन ढूढ़ा तो पता चला कि उस जगह पर तो एक ईंट तक नहीं थी।

कांग्रेस सांसद ने व्यंग्य शैली में ट्वीट किया, ''मदुरै एम्स (का निर्माण कार्य) 95 प्रतिशत पूरा कराने के लिये धन्यवाद। मैंने तथा मदुरै सांसद ने थोपुर साइट में एक घंटे तक भवन को ढूढ़ा लेकिन कुछ नहीं मिला लगता है। एम्स की इमारत किसी ने चुरा ली है। ..... सादर।''

इसके बाद, एक और ट्वीट में, कांग्रेस सांसद ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने जानना चाहा कि भाजपा अध्यक्ष तथा पूर्व स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा इस प्रकार के मुद्दे पर आखिर झूठ कैसे बोल सके। कांग्रेस सांसद ने कहा, ''वे (भाजपा) इसी तरीके से तमिलनाडु तथा मदुरै की जनता के साथ धोखा कर रहे हैं तथा तमिलनाडु इसे कभी नहीं भूलेगा।''

राजनैतिक विश्लेषक सी. रमन ने भी नड्डा की एम्स संबंधी घोषणा पर कटाक्ष करते हुये, ट्वीट किया, ''वाह! ..... यह जानकर बड़ी खुशी हुई। लेकिन यह एम्स किस शहर में है, महोदय? मदुरै में तो है नहीं।'' बहुत से लोगों ने ट्विटर के जरिये, प्रस्तावित स्थल से एम्स की इमारत के गायब हो जाने पर घोर आश्चर्य व्यक्त किया।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600

MARUTI SUZUKI

NEXA

BOLD. INTUITIVE. INTELLIGENT.

Driving the New Age Baleno is pure thrill. It's power packed with hi-tech features that take your driving experience to a whole new level. Get ready to drive the bold side of technology.

CREATE. INSPIRE.

Scan the QR code to know how tech goes bold.

THE NEW AGE
BALENO
TECH GOES BOLD

360 View Camera

Head Up Display

22.86cm SmartPlay Pro+

6 Airbags^

In-built Suzuki Connect

NEXA Safety Shield
Standard Across All Variants

- DUAL FRONT AIRBAGS
- ABS WITH EBD
- PEDESTRIAN PROTECTION COMPLIANCE
- COMPLIANT WITH -
  - FULL FRONTAL IMPACT
  - FRONTAL OFFSET IMPACT
  - SIDE IMPACT

Feature and accessories shown may not be part of standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to lighting effect. Images used are for illustration purposes only.

Contact us at
1800-200-[6392]
1800-102-[NEXA]
www.nexaexperience.com
NOW YOU CAN ALSO BOOK ONLINE

BIKANER: NEXA JAIPUR ROAD (AURIC MOTORS PH: 7230081665), **JHUNJHUNU: NEXA JHUNJHUNU CENTRAL** (AURIC MOTORS PH: 7412087314).

SMART FINANCE
AN ONLINE END-TO-END CAR FINANCE SOLUTION
Scan to know more.
- Multiple financiers
- Digital Document Upload
- Live Loan status
- Complete transparency (associated fees & charges)

*T&C apply. Offers may vary across variants. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time. Smart Finance available only in select cities. Creative Visualization. Black Glass on vehicle is due to lighting effect. ^For details on funcioning of safety features including air bag,, kindly refer to the Owners manual.